

भारत का विद्युत The Gazette of India

19.12.22

प्राधिकार से प्रकाशित।

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] मई विली, शनिवार, दिसम्बर 18, 1971/अग्रहायण 27, 1893

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1971/AGRAHAYANA 27, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

भाग II—पार्ट 3—उपलब्ध (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-संग्राही के प्रशासनों को
छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियोंद्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाये गए जारी किये
गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के ग्रावेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 17th November 1971

G.S.R. 1889.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 300 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment of persons to the post of Research Assistant (Research and Policy Division), Ministry of Home Affairs, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Research Assistant (Research and Policy Division), Ministry of Home Affairs Recruitment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Number of posts, classification of the post and scale of pay.**—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, the age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 18 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

SCH II

Recruitment Rules for the post of Research Assistant (R. & P.D.)

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Research Assistant (Research and Policy Division).	Four	General Central Service Class II— Non-Categorised Non-Ministerial.	Rs. 325—15 —475—BB —20—575.	Net applicable.	30 yrs. (Relaxable for Govt. servants).	<i>Essential:</i> (i) Master's Degree in one of the Social Sciences of a recognised University/Institute or equivalent. (ii) About 2 years experience in collection, compilation and analysis of data relating to Social Sciences. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

RULE*in the Ministry of Home Affairs*

Whether age and educational qualifications prescribed for any direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 yrs.	50% by direct recruitment and 50% by transfer on deputation.	<i>Transfer on deputation</i> Officers holding analogous posts or officers with at least 5 years service in posts in the scale of Rs. 210—425 or equivalent under the Central Government and possessing degree of a recognised University with one of the Social Sciences as a subject. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation Regulations, 1958).

गृह-मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 नवम्बर 1971

सा० का० नि० 1889.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा गृह मंत्रालय में अनुसंधान सहायक (अनुसंधान तथा नीति प्रभाग) के पद पर भर्ती की पद्धति को नियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं नामतः—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—(1) ये नियम अनुसंधान सहायक (अनुसंधान तथा नीति प्रभाग), गृह मंत्रालय भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण तथा उस से सम्बद्ध वेतनमान वहीं होंगे जैसा कि संलग्न अनुसूची के कालम 2—4 में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आय सीमा तथा अन्य अहंताएँ:—उक्त पद में भर्ती की पद्धति, आय सीमा, अहंताएँ तथा उससे सम्बद्ध अन्य बातें वहीं होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्ट हैं।

4. अनहंताएँ : कोई भी व्यक्ति :—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है अथवा विवाह का इकरार किया है जिसके एक जीवित पति-पत्नी हैं, अथवा

(ख) जिसने जीवित पति-पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है अथवा विवाह का इकरार किया है, उक्त पद में नियुक्ति का पालन न होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इससे सन्तुष्ट हो कि विवाह करने वाले व्यक्ति तथा दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार का मत है कि ऐसा करना आवश्यक अथवा सभीचीन है तो वह अदेश द्वारा जिसके कारण लिखित रूप में देने होंगे और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, व्यक्तियों ही किसी श्रेणी अथवा वर्ग के बारे में इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील दे सकती है।

अनु

(गृह मंत्रालय में अनुसंधान सहायक अनुसंधान तथा

पद का नाम	पदों वर्गीकरण की संख्या	वेतनमान	प्रवरण पद है प्रथम अप्रवरण पद	सीधी भर्ती किये जाने बालों के आय शैक्षणिक और अन्य आर्हताएँ	सीधी भर्ती किये जाने बालों के लिए अपेक्षित शिक्षण/संस्था से किसी समाज-शास्त्र स्नातकोत्तर उपाधि।
-----------	-------------------------------	---------	-------------------------------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान सहायक (अनुसंधान तथा नीति प्रभाग)	चार केन्द्रीय सेवा द्वितीय श्रेणी, प्राराजपत्रित अनुसंधानिय	सामान्य सेवा वर्ष परिवर्तनी	रु 325— 15-475— व० रो० 20] 575 रुपये	लागू नहीं होता कर्मचारियों के लिए छूट दी जा सकती है)।	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट दी जा सकती है)।	अनिवार्य :— (i) किसी मान्यता प्राप्त विषय- विद्यालय/संस्था से किसी समाज-शास्त्र स्नातकोत्तर उपाधि।

(ii) समाज-शास्त्र
से सम्बन्धित
आकड़ों के
एकलीकरण
संलग्न तथा
विश्लेषण। में
लगभग दो वर्ष
का अनुभव।

(अन्यथा पर्याप्त
आर्हता प्राप्त

सूची

नीति प्रभाग) के पद के लिए भर्ती नियम

क्षया सीधी	परिवीक्षा	भर्ती की	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/	यदि कोई	किन परि-
भर्ती किये	की अवधि,	पद्धति : सीधी स्थानान्तरण के द्वारा		विभागीय	स्थितियों में
जाने वालों	बदि कोई हो	भर्ती द्वारा	भर्ती किये जाने पर किसे पदोन्नति	भर्ती करने	
के लिए			ग्रेड से पदोन्नति/प्रति-	समिति विधि	में संघ लोक
निर्धारित			द्वारा या नियुक्ति/स्थानान्तरण	मान है तो	सेवा आयोग
आयु और			प्रतिनियुक्ति/ किया जायेगा।]	उसका गठन	से परामर्श
वैक्षणिक			स्थानान्तरण	क्या है।	किया जाना
अहंताएँ			द्वारा घोर		है।
पदोन्नति			विभिन्न		
किये जाने			पद्धतियों द्वारा		
वालों के लिए।			भरी जाने		
भी लागू			नाली रिक्तयों		
होंगी।			का प्रतिशत		

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता।	2 वर्ष	50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा घोर]	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : — केन्द्र सरकार के अधीन	लागू नहीं होता	जैसा संघ लोक सेवा आयोग
		50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	भद्रश्य पदों पर] आसीन अधिकारी 210—425		(परामर्श से कूट) विनियम, 1958
		द्वारा ।	20 के बेतनमान के पदों प्रथमा समक्ष पदों में कम से कम 5 वर्ष की सेवा आसीन अधिकारी जिनके पास एक विषय के रूप में किसी समाज भास्त्र तहित मान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय की उपाधि हो। (सामान्यतः		के प्रतुसार अपेक्षित है।

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

उम्मीदवारों के
सम्बन्ध में
आयोग के
विषेकानुसार
अहंताओं में
छूट दी जा
सकती है।

8

9

10

11

12

13

प्रतिनियुक्ति की
अवधि 3 वर्ष से
अधिक नहीं होगी)

[सं. ए-12018/16/70-प्रशासन-1(क)]

मंत्री नाम,
अवर सचिव।

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 18th November 1971

G.S.R. 1890.—Whereas certain draft rules further to amend the Minimum Wages (Central) Rules, 1950, were published as required by sub-section (1) of section 30 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), at pages 1890 and 1891 of the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (i) dated the 8th May, 1971 under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. G.S.R. 668 dated the 24th April, 1971, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 30th July, 1971;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 8th May, 1971;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 30 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Minimum Wages (Central) Rules, 1950, namely:—

1. These rules may be called the Minimum Wages (Central) Amendment Rules, 1971.

2. In the Minimum Wages (Central) Rules, 1950, in rule 14 after the proviso, the following further proviso shall be added namely:—

“Provided further that the date and time of such adjourned meeting shall be intimated to the absentee members by telephone, by telegram or by a written communication”.

[No. 9(4)/70-WE(MW).]

HANS RAJ CHHABRA, Under Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 18 नवम्बर 1971

गी० एस० आर० 1890—“न्यूनतम मजदूरी (केन्द्रीय) नियम, 1950 में और आगे संशोधन करने के लिए कलिप्य प्रारूप नियम न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) तारीख 8 मई, 1971 के पृष्ठ 1890 और 1891 पर भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय, (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संब्यो सा० का० नि० 668 तारीख 24 अप्रैल, 1971 के अन्तर्गत, इससे सम्भाव्यतः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से 30 जलाई, 1971 तक आक्षेप या सूझाव मांगते हुए, प्रकाशित किये गये थे।

और यतः उक्त राजपत्र जानता को 8 मई, 1971 को उपलब्ध करा दिया गया था।

और यतः उक्त प्रारूप के बारे में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सूझाओं पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा न्यूनतम मजदूरी (केन्द्रीय) अधिनियम, 1950 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम न्यूनतम मजदूरी (केन्द्रीय) संशोधन नियम, 1971 होगा।
2. न्यूनतम मजदूरी (केन्द्रीय) नियम, 1950 में नियम 14 में परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित अतिरिक्त परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तुक यह और कि ऐसे स्थगित अधिवेशन की तारीख और समय की सूचना अनु-पस्थित सदस्यों को टेलीफोन या तार द्वारा दी जाएगी।”

[9(4)/70-डब्ल्यू० ६० (एम० डब्ल्यू०)]

क्षम राज शाह
प्रब्र सचिव ।

(Department of Rehabilitation)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th November 1971

G.S.R. 1891.—Reference Notification No. 1(61)/71-DNK, dated the 3rd November, 1971 read Column 4 of the Schedule attached with the above referred notification as under:—

“70-1-80—EB—1—85”.

[No. 1(61)/71-DNK.]

R. C. PANDE, Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Bord)

New Delhi, the 21st September 1971.

G.S.R. 1892.—In exercise of the powers conferred by section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Red Tariff Rules, 1960, namely:—

1. (i) These rules may be called the Railways Red Tariff (10th Amendment) Rules, 1971.

(ii) They shall have deemed to come into force from 1st July, 1971.

2. In the Railways Red Tariff Rules, 1960,—

(1) in Table IV, occurring at the end of Chapter IV, under the main heading "General Classification" in column 2,—

(i) under the sub-headings "Smalls" and "Wagon-loads", against the entry in column 1 relating to 'Bleaching Powder (Chloride of Lime)', for the figures "60" and "40", the figures "62.5" and "42.5" shall respectively be substituted;

(ii) under the sub-headings "Smalls", against the entry in column 1 relating to 'Coal dust consisting of fine particles of less than 100 microns, i.e., 1/10 millimetre', for the figures, brackets and letters "50 (OR)", the figures, brackets and letters "52.5 (OR)" shall be substituted;

(2) in Table V, occurring at the end of Chapter V, under the main heading "General Classification" in column 2,—

(i) under the sub-heading "Smalls" and "Wagon-loads", against the entry in column 1 relating to 'Calcium Hypochlorite', for the figures '60' and '40', the figures '62.5' and '42.5' shall respectively be substituted;

(ii) under the sub-heading "Wagon-loads", against the entries in column 1 relating to 'Nitrate of Ammonia' and 'Nitrate of Soda' for the figures '37.5', in both the places where they occur, the figures '40' shall be substituted;

(iii) under the sub-headings "Smalls" and "Wagon-loads", against the entry in column 1 relating to 'Saltpetre Crude', for the figures '55', and '35', the figures '60' and '37.5' shall respectively be substituted;

(3) in Table VI, occurring at the end of Chapter VI, under the main heading "General Classification" in column 2, under the sub-headings "Smalls" and "Wagon-loads", against the entry in column 1 relating to "Caustic Soda Liquor", for the figures '60' and '40' the figures '62.5' and '42.5' shall respectively be substituted.

[No. 71-TG.IV/21/4.]

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1971

जी० एस० आर० 1892.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की विधा विधायक सभा का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा रेलवे लाल दर-सूची नियम, 1960 में आगे और संशोधन करने के लिए नियमित नियम बनाती है ; अधिकृत :—

1. (1) ये नियम रेलवे लाल दर-सूची (दसवां संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये जुलाई 1971 से लागू समझ जायेंगे ।

2. रेलवे लाल दर-सूची नियम, 1960 में,

(1) अध्याय IV के अन्त में दी गयी तालिका IV के, कालम 2 में “सामान्य वर्गीकरण” मुख्य शीर्षक के अन्तर्गत —

(i) “फुटकर” और “पूरा माल डिब्बा” उप शीर्षकों के अन्तर्गत कालम 1 में, ‘लीचिंग पाउडर’ (चूने का न ओराइट) सम्बन्धी प्रविष्टि के सामने अंक ‘60’ और ‘40’ के स्थानपन पर क्रमशः ‘62. 5’ और ‘42. 5’ अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

.(ii) ‘फुटकर’ उपशीर्षक के अन्तर्गत कालम 1 में ‘100 माइक्रोन अर्थात् 1/10 मिली मीटर’ से कम अच्छे कणिकों को यला चूरे के सम्बन्ध में प्रविष्टियों के सामने अंक, कोष्ठक और अक्षर “50 (ओ आर)” की जगह “52. 5 (ओ आर)” अंक, कोष्ठक और अक्षर प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

2. अध्याय V के अन्त में तालिका V में कालम 2 में “सामान्य वर्गीकरण” के मुख्य शीर्षक के अन्तर्गत,—

(1) ‘फुटकर’ और ‘पूरा माल डिब्बा’ उपशीर्षक के अन्तर्गत कालम 1 में ‘कैलिप्यम हाइपोक्लोराइट’ सम्बन्धी प्रविष्टियों के सामने अंक “60” और “40” की जगह क्रमशः ‘62. 5’ और ‘42. 5’ अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

(ii) ‘पूरा माल डिब्बा’ उपशीर्षक के अन्तर्गत कालम 1 में ‘अमोनिया नाइट्रोट’ और ‘सोडा नाइट्रोट’ सम्बन्धी प्रविष्टियों के सामने अंक ‘37. 5’ के लिए दोनों स्थानों पर जहां वे हों, ‘40’ अंक प्रतिस्थापित किया जायेगा ।

(iii) ‘फुटकर’ और ‘पूरा माल डिब्बा’ उपशीर्षकों के अन्तर्गत, कालम 1 में ‘कल्या साल्ट पीटर’ सम्बन्धी प्रविष्टि के सामने अंक ‘55’ और ‘35’ की जगह क्रमशः ‘60’ और ‘37. 5’ अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

3. अध्याय VI के अन्त में तालिका VI के कालम 2 में “सामान्य वर्गीकरण” मुख्य शीर्षक के अन्तर्गत “फुटकर” और “पूरा माल डिब्बा” उपशीर्षकों के अन्तर्गत कालम 1 में ‘तरल कास्टिक सोडा’ सम्बन्धी प्रविष्टि के सामने अंक ‘60’ और ‘40’ की जगह क्रमशः “62. 5” और “42. 5” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

[सं० 71 टी० जी० IV/21/4]

New Delhi, the 15th November 1971

G.S.R. 1893.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of section officer (stenos) in the Research Designs and Standards Organisation of the Ministry of Railways, namely:—

1. **Short title and Commencement:**—(1) These rules may be called the railways Research Designs and Standards Organisations (Section Officer Stenos) Recruitment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—(1) The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

SCHE-

Recruitment Rules for the Post of Selection Officer (Stenos), Research Designs &

Name of Post	No. of posts	Classification.	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Section Officer (Stenos)	I	Railway Services Class II	Rs. 350—900	Selection	Not applicable	Not Applicable.

DULE*Standards Organisation, in Ministry of Railways.*

Whether age and Period of educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promptees

Method of rectt. whether by direct probation, or by promotion or by deputation/trans- fer & percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of rectt. by promotion/deputation / transfer, grades from what is which promotion/ deputation/transfer to be made

If a DPC exists, its composition be made

Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion.	Promotion : Permanent Stenographers of Research, Design and Standards Organisation with 8 years service in the grade.	Class II Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958.

[No. ERBI 71/44/11.]

V. P. SAWHNEY, Secy.

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1971

जी० हस० आर० 1893.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये राष्ट्रपति एतद्वारा रेल मंत्रालय में अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन में अनुभाग अधिकारी (आशुलिपिक) के पद की भर्ती की विधि को विनियमित करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. **नयुसीर्चक और प्रारम्भ :—**(1) ये नियम रेलवे अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन (अनुभाग अधिकारी आशुलिपिक) भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को लागू होंगे।

2. **पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमाला :—**पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उससे सम्बद्ध वेतनमाला वही होंगे जो इसके साथ अनुबद्ध अनुमूली के कालम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. **भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं आदि :—**उक्त पद के लिये भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं और उससे सम्बद्ध अन्य विषय वही होंगे जो उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में विनिर्दिष्ट है।

4. **अनहंताएँ :—**कोई भी ऐसा व्यक्ति उक्त पद पर नियकित के लिये पात्र नहीं होगा।—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है या विवाह करने की संविदा की है जिसका/को पति/पत्नी जीवित है अथवा

(ख) जिसने एक पती/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो।

परन्तु केन्द्रीय वरकार यदि इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन अनुमेय है और ऐसा करने के अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति से इस नियम के प्रवर्तन से छद्द दे सकते हैं।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय से ऐसा करना। अपेक्षित है, अथवा समीचीन है, तो वह, लिखित कारण देते हुए और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके विसी भी वर्ग या व्यक्ति समृद्धाय के सम्बन्ध में इन नियमों के उपबन्धों को शिथिल कर सकती है।

प्रतु-

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) में अनुभाग अधिकारी (आशुलिपिक) अनुसंधान, अधिकल्प श्रौर मानक

पद का नाम	पदों	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रबरण पद है	सीधी भर्ती	सीधी भर्ती वालों
	की			या अप्रबरण	वालों के	के लिए अनैक्षित
संख्या				पद	लिए आय	पैक्षणिक श्रौर

1	2	3	4	5	6	7
अनुभाग अधिकारी (आशुलि- पिक)।	1	रेल सेवा	350-900 श्रेणी-2 रु०।	प्रबरण	लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता।

बंध

संगठन के पद के लिए भर्ती—नियम

क्या सीधी	परिवो-	भर्ती की विधि, सीधी पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ यदि विभा-	परिस्थितियाँ
भर्ती वालों	क्षाकाल,	भर्ती या पदोन्नति स्थानान्तरण से भर्ती गीय पदोन्नति जिनमें भर्ती	
के लिए वि-	यदि कोई या प्रतिनियुक्ति/ होने की स्थिति में समिति हो, तो के संबंध में		
हित आयु	हो स्थानान्तरण द्वारा पदक्रम जिससे पदोन्नति/ उसका गठन संघ लोक		
और मौक्षणिक	श्रौर विभिन्न स्थानान्तरण होता		सेवा आयोग
अर्हताएं	विधियों से है		से परामर्श
पदोन्नति	भरे जाने वाले		लिया जाएगा
व्यक्तियों के	रिक्त पदों का		
मामलों में	प्रतिशत		
भी लागू			
होगी			

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता ।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : प्रनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन के ऐसे स्थायी आशु- लिपिक जिनकी ग्रेड में 8 वर्ष की सेवा हो ।	श्रेणी—2, विभागीय पदोन्नति समिति	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अन्तर्गत

[सं० ई० आर० बी० 1-71/44/11]

बैद्र भ्रकाश साहनी,
सचिव, रेलवे बोर्ड ।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 16th October 1971

G.S.R. 1894.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Research and Development Organisation for Electrical Industry, Bhopal (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1958, namely:—

(1) These rules may be called the Research and Development Organisation for Electrical Industry, Bhopal (Class III and Class IV Posts) Recruitment Amendment Rules, 1971.

(2) They come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Research and Development Organisation for Electrical Industry, Bhopal (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1968 for rule 5, the following rule shall be substituted namely:—

“5. Disqualifications.—No person,

(1) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(2) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.”

[No. F.20-12/71-HEM.]

P. B. SAXENA, Under Secy.

प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1971

जी० एस० आर० 1894.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा विश्वत उच्चोग के लिए अनुसंधान और विकास संगठन, भोपाल (श्रेणी 3 तथा श्रेणी 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

(1) ये नियम विश्वत उच्चोग के लिए अनुसंधान और विकास संगठन, भोपाल (श्रेणी 3 तथा श्रेणी 4 पद) भर्ती संशोधन नियम, 1971 कहलायें।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. विश्वत उच्चोग के लिए अनुसंधान और विकास संगठन, भोपाल (श्रेणी 3 और श्रेणी 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा,
अर्थात्:—

“5 अनहृताएं—कोई भी व्यक्ति,

(1) जिसने किसी व्यक्ति से जिसका पति या पत्नी जीवित है विवाह कर लिया या विवाह करने की सोच रखा/रही है, या

(2) जिसने पति या पत्नी के जीवित होते हुए विवाह कर लिया है या विवाह करने की सोच रहा/रही है,

उपर्युक्त पदों में से किसी भी पद पर भर्ती का पात्र नहीं होगा :

बशर्ते कि यदि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह करने वाली दूसरी पार्टी पर लागू होने वाली व्यक्तिक विधि के अन्तर्गत अनुमत है और ऐसा करने का अन्य आधार भी है तो इस नियम के लागू होने से किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।"

[संख्या 20-12/71-एच० ई० एम०]

पी० बी० सर्वेना,
अधिकारी, सचिव, भारत सरकार।

RESERVE BANK OF INDIA

(Control Office)

(Exchange Control Department).

Bombay, the 20th September 1971

G.S.R. 1895.—In pursuance of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance No. F.1(67)-EC/57, dated the 25th September, 1958, the Reserve Bank of India hereby directs that the following further amendment shall be made in the Schedule to its Notification No. F.E.R.A. 168/58-R.B. dated 4th December, 1958, namely:—

In the said Schedule the entry "Eastern Bank Ltd." shall be omitted.

[No. F.E.R.A. 252/71-R.B.]

S. S. SHIRALKAR, Deputy Governor.

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

(केन्द्रीयकार्यालय)

बिवेशी मुद्रा नियन्त्रण विभाग

बम्बई, 20 सितम्बर 1971

जी० एस० आर० 1895.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० एफ० 1(67)-ई सी/57 तारीख 25 सितम्बर 1958 के अनुसरण में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इसके जरिए यह निदेश देता है कि उसकी अपनी अधिसूचना सं० एफ० ई० आर० ए० 168/58-आर० बी० तारीख 4 दिसम्बर 1958 की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन किया जाए, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची से "ईस्टर्न बैंक लिमिटेड" को प्रविष्टि को हटा दिया जाए।

[सं० एफ० ई० आर० ए० 252/71—आर०बी०]

एस० एस० सीरलकर,
उप गवर्नर।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(Department of Health)

New Delhi, the 11th November 1971

G.S.R. 1896.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class III posts in the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, namely:—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the B.C.G. Vaccine Laboratory (Class III) Recruitment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, Classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes, Schedule Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules, with respect to any class or category of persons.

THE SCHE-

Sl. No.	Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection or Non-Selection post (for promotion only.)	Method of recruitment whether by direct or transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods]
---------	--------------	--------------	----------------	--------------	---	--

1	2	3	4	5	6	7
1.	Technician (F.D. Section)	One	General Central Service, Class III Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 205—7— 240—8—240	Selection	100% by promotion failing which by direct recruitment.
2.	Technician Filling Section)	One	General Central Service, Class III Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 205—7— 240—8—280	Selection	100% by promotion failing which by direct recruitment.

DULE

Age limit	Educational qualification required	Period of probation if any	Whether	In case of recruitment by promotion/ transfer	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	Remarks	
						8	9
30 years and below	(i) Pre - University Certificate or equivalent qualification.	Two Years	Age	No. Mechanics Education of the Institute with qualification at 5 years	Npt	Applicable	
	(ii) Diploma in Air-conditioning, Refrigeration and Mechanical Engineering.			(i) and (ii) regular in column 9	not less than 5 years		
	(iii) At least 3 years, experience in running and maintaining of electrical and mechanical plants such as Freeze Dryers, Water Coolers, Deep Freezers, Refrigerators, Autocaves, Incubators, Hot Air Ovens, Distilled Water Apparatus, Gas Plants.						
30 years and below	(i) Pre-University Certificate or equivalent qualification.	Two years	Age : No.	Senior Laboratory Assistant	Not	Applicable	
	(ii) Diploma in Medical Laboratory Technology.		Educational Yes	of the Institute with qualification at 5 years	not less than 5 years		
	(iii) Experience in operation of Automatic Filling and Sealing Machine.		qualification at 5 years	regular service in the grade			

1	2	3	4	5	6	7
3.	B.C.G. Technician	Two	General Central Service, Class III	Rs. 150—5—160— 8—240—EB— 8—280—10— 300	100% by Direct Recruitment	

	8	9	10	11	12	13	14
28 years and below	(i) Pre - University Certificate or equivalent qualification. (ii) Diploma in Medical Laboratory Technology. (iii) At least 3 years, experience in BCG Campaign work.	Two Years	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable	(1) B.C.G. Technicians will form part of a Field Team and are liable to be sent to rural areas for work. (2) Candidates for the posts will undergo a period of training. Their further retention in the post will depend on their satisfactorily completing the training and reaching the required standard of competency in the field of their training.	

[No. F.13-3/71-C&CDII.]

K. SATYANARAYANA, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1971

जी० एस० आर० 1896.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला गिर्जी, मद्रास में श्रेणी 3 के पदों पर भर्ती की विधि को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त शोषणक और प्रारम्भ:—(1) ये नियम बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला (श्रेणी 3) भर्ती नियमावली, 471 कहलाये जा सकेंगे।
- ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. उपयोजन :—ये नियम इसके साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में निर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वही होंगे जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 से 5 में निर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की विधि, आय सीमा, अहंताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आय सीमा, अहंताएं तथा अन्य बातें वहीं होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 14 में निर्दिष्ट हैं परन्तु केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए सामान्य आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/जनजाति तथा

अन्य विशेष प्रवर्गों के अन्य व्यक्तियों के मामलों में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा शिथिल की जा सकती है।

5. अनर्हता :—कोई भी व्यक्ति :

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका किंपति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा
- (ब) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है,

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यद् समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली विधि के अधीन अनुशेय है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रबन्धन से छूट दे सकती है।

6. शिथिल करन की ज़कितः—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा इष्टानुकूल है वहाँ वह कारणों को लिखित रूप में रिकार्ड करके किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के मामले में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को आदेश जारी कर शिथिल कर सकती है।

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनभान	बैतनभान पद सलेक्शन है प्रथमा	भर्ती का तरीका सीधी भर्ती द्वारा प्रथमा	केवल सीधी भर्ती के लिए	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	तकनीशियन एक एक० डी०	एक सामान्य केन्द्रीय सेवांश्रेणी३	सामान्य केन्द्रीय सेवांश्रेणी३	205-7-चयन 240-8-	चयन द्वारा प्रथमा सीधी भर्ती द्वारा	आत्मतिथित पदेक्षति द्वारा प्रथमा सीधी भर्ती द्वारा	30वर्ष (1) प्री यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेट प्रथमा इसके अर्हता ।	(1) प्री यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेट प्रथमा इसके अर्हता ।
	अनुमान	अनुमान नुसचिवीय	अनुमान अनुमान नुसचिवीय	280 ह०			(2) एमर कण्डीकान्तग, रेफ़ि-जरेशन तथा मर्केन्टिकल इंजी-नियरी में हिल्जोमा ।	(2) एमर कण्डीकान्तग, रेफ़ि-जरेशन तथा मर्केन्टिकल इंजी-नियरी में हिल्जोमा ।

3 वर्ष का अनुभव ।

टिप्पणी

परिवीक्षा की
प्रचारित परिवारों से रखे जाने वाले
उम्मीदवारों के मामले में प्रत्यक्ष
भर्ता किसे जाने वाले व्यक्तियों
के लिए निर्धारित ब्राह्मण तथा
पौत्रिक श्राहंताएँ लागू होंगी

प्राची परिवार कोई
उम्मीदवारों के मामले में प्रत्यक्ष
भर्ता किसे जाने वाले व्यक्तियों
के लिए निर्धारित ब्राह्मण तथा
पौत्रिक श्राहंताएँ लागू होंगी

प्राची परिवार की
उम्मीदवारों के मामले में प्रत्यक्ष
भर्ता किसे जाने वाले व्यक्तियों
हो
के लिए निर्धारित ब्राह्मण तथा
पौत्रिक श्राहंताएँ लागू होंगी

पदोन्नति/स्थानान्तरण द्वारा
भर्ता के मामले में किस ब्रेड से
पदोन्नति/स्थानान्तरण किया
जाना है

पदोन्नति/स्थानान्तरण द्वारा
भर्ता के मामले में किस ब्रेड से
पदोन्नति/स्थानान्तरण किया
जाना है

परिस्थितियां जिन में भर्ता के
लिए संबंध लोक सेवा
शायेग से परामर्श लिया
जाना है

परिस्थितियां जिन में भर्ता के
लिए संबंध लोक सेवा
शायेग से परामर्श लिया
जाना है

2 वर्ष
ब्राह्मण—नहीं
स्थान 9 के (i) और (ii) में हाँ
दो गणी शक्तिक श्राहंता।

संस्थान के मकानिकों का इस
ब्रेड में कम से कम 5 साल की
नियमित सेवा हो।

संस्थान के मकानिकों का इस
ब्रेड में कम से कम 5 साल की
नियमित सेवा हो।

संस्थान के मकानिकों का इस
ब्रेड में कम से कम 5 साल की
नियमित सेवा हो।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
---	---	---	---	---	---	---	---	---

2	तकनीशियन (फि- लिंग ग्रन्डुआग)	एक	सामान्य केन्द्रीय सेवा, श्रेणी 3	205-7-	चयन	शतप्रतिशत पदोन्नति द्वारा अन्यथा सीधी	30 वर्ष (1) प्री यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेट ओर कम	(1) प्री यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेट आयवा इसके समक्ष अर्हता ।
			आराजपत्रित	240-8-		भर्ती द्वारा		
				280 रु०				
			अनन्तसचिवीय					

(2) मडिकल लेबोरेटरी
टैक्नालॉजी में डिप्लोमा ।
(3) आटोमेटिक फिरिंग तथा
सीरिंग मशीन के चलाने
का अनुभव ।

10	11	12	13	14
----	----	----	----	----

2 वर्ष श्राय—नहीं } संस्थान के वरिष्ठ प्रयोग-
सत्रम् 9 के (i) ओर (ii) में हाँ } शाला सहायक का विसर्की
दी गयी खेत्रिक अर्हता । } [इस प्रेड में कम से कम 5 वर्ष
की नियमित सेवा हो ।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3 चौं सी० जी०	दो	सामान्य केन्द्रीय सेवा शैणी III, अराजपत्रित शहूसचिवीय ।	150-5— 160-240— द० रो० ८— 280-10— 300 रु०	— हारा	शत प्रतिशत सेवी भर्ती 28 वर्ष शयवा इसके ग्रहना ।	(1) प्री युटिविस्टी सर्टिफिकेट शयवा इसके समक्ष		

(2) मेडिकल लेबोरेटरी
टैक्सलाजी में हिलोमा ।

(3) चौं सी० जी० के प्रचार
कार्य में कम से कम तीन
वर्ष का अनुभव ।

14

13

12

11

10

2 वर्ष
लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

1. बी० सी० जी० तकनीशन
सेक्टिय दल का एक अंग के रूप
में कार्य करने तथा उन्हें ग्रामीण
भेलों में कार्य के लिए भेजा जा
सकता है।

2. इन पदों के लिए आर्ये ग्राम्याधियों
को एक निश्चित अवधि तक
प्रशिक्षण दिया जायेगा। उनका
इस पद पर आगे बना रहना
प्रशिक्षण को संतोषजनक ढंग
से पूरा करने तथा अपने प्रशिक्षण
के द्वितीय में योग्यता का अपेक्षित
मानक स्तर तक पहुँचने पर निर्भर
करता है।

[सं० 13-3/7-1-सी०एण्ड सी०डी०]

क० सत्यनारायण, अवर सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs).

New Delhi, the 6th November 1971

G.S.R. 1897.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 read with clause (1) of article 299 of the Constitution, the President is pleased to make the following rule namely:—

All Treasury Bonds and other connected documents required to be executed in exercise of the executive power of the Union under the Financial Convention for Italian Lire 4,593,750,000 (Italian Lire Four billion, five hundred and ninety-three million, and seven hundred fifty thousand only) concluded with the Italian Financial Institutions represented by the Institut di Credito per Le Imprese di Pubblica Utilita—ICIPU—in terms of the Agreement between the Governments of India and Italy dated the 20th November, 1969, shall be executed and authenticated on behalf of the President by any of the officers below:—

Secretary, Joint Secretary, Deputy Secretary, Under Secretary, Deputy Director, Controller of Aid Accounts or Senior Accounts Officer in the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs.

By order and in the name of the President.

[No. F. 9(45)WE.III/69.]

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1971

सा० का० नि० 1897.—संविधान के अनुच्छेद 299 की धारा (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 की धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने प्रत्यन्तापूर्वक निम्नलिखित नियम बनाया है अर्थात् :—

भारत और इटली की सरकारों के बीच 20 नवम्बर, 1969 को हुए करार की आर्ती के अनुसार, इटली की वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि—इंस्टीटूटो वी क्रेडिटो पेर ले इम्प्रेसे दी पुब्लिका अप्प्रियिता आई० सी० आई० पो० य०—के साथ 4, 593, 750,000 इतालवी लीरा (केवल चार घण्ट, उनसठ करोड़, सौतीस लाख एकास हजार इतालवी लीरा) के लिये किये गए वित्तीय अभिसमय के अन्तर्गत संघ के कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी राजकोष बाण्ड और अन्य सम्बद्ध दस्तावेज राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी अधिकारी द्वारा निष्पादित और अधिप्रमाणित किये जायेंगे :—

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के सचिव, संयुक्त सचिव, उप-सचिव, अनुसचिव, उप-निदेशक सहायता लेखा नियंत्रक या वरिष्ठ लेखा अधिकारी ।

[सं० एफ० 9(45)—डब्ल्यू०ई०—III/69]

G.S.R. 1898.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 read with clause (i) of article 299 of the Constitution, the President is pleased to make the following rule namely:—

All agreements, documents and supplementary agreements modifying the aforesaid agreements, to be executed in exercise of the executive power of the Union in connection with the Financial Convention with the Italian Financial Institutions represented by the Institut di Credito per Le Imprese di Pubblica Utilita—ICIPU—in terms of the Agreement between the Government of India

and Italy dated the 20th November 1969, shall be executed and authenticated on behalf of the President by the Ambassador or in his absence by the Charge d' Affaires of India in the Republic of Italy.

By order and in the name of the President,

[No. F. 9(45)WE.III/69.]

R. TIRUMALAI, Jt. Secy.

सां. का० नि० 1898.—संविधान के अनुच्छेद 299 की धारा (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 की धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने प्रसशतापूर्वक निम्नलिखित नियम बनाया है अर्थात् :—

भारत और इटली की सरकारों के बीच 20 नवम्बर, 1969 को हुए करार की शर्तों के मनुसार इटली की वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि—इंस्टीटूटो दी क्रेडिटो पेर ले इम्प्रेसे दी पृष्ठिलिका अतिलिता—आई० सी० आई० पी० य०—के साथ किये गये वित्तीय अभिसमय के अन्तर्गत संघ की कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूर्वोक्त करारों में संशोधन करने के लिये किये जाने वाले सभी करार दस्तावेज और अनुपूरक करार राष्ट्रपति की ओर से इटली गणराज्य में नियुक्त भारत के राजदूत या उनकी अनुपस्थिति में भारत के कार्यवाहक द्वारा निष्पादित और अधिप्रमाणित किये जायेंगे।

राष्ट्रपति के आवेश से और उनकी ओर से,

[संख्या एफ० 9(45) डब्ल्यू० ई० III/69]

आर० तिरुमलै,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार।

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 20th October 1971

G.S.R. 1899.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the recruitment to the Class II post of Cash Officer in the Department of Economic Affairs of the Ministry of Finance namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Cash Officer (Class II) Recruitment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Number of posts, classification and scale of pay.**—The number of the posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule thereto annexed.

3. **Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.**—The method of recruitment to the post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 11 of the said Schedule.

4. **Disqualification.**—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. **Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax, any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons,

SCHE

Name of post	No. of posts	Classification.	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post.	Age for direct recruitment.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
--------------	--------------	-----------------	--------------	---	-----------------------------	--

	I	2	3	4	5	6	7
Cash Officer	One	General Central Service Class II (Gazetted) Ministerial	Rs. 350-(400) -25-500-30- 590-30-800 -EB-30-830- 35-900.	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

DULE

Whether age and educational qualifications prescribed if any bed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion or by deputations/ transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a D.P.C. exists, what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
---	---------------------	---	--	--	---

8

9

10

11

12

13

No: app- licable	No: applic- able	By trans- fer or depu- tation	<i>Transfer or deputation</i> Assistants of the Central Secretariat Service with 8 years regular service in the grade and who have passed the Cash & Accounts course from the the Secretariat Training School and have worked as Cashier for at least three years under Government. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Not applic- able	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958
---------------------	------------------------	-------------------------------------	--	---------------------	---

[No. A. 12011/7/70-Admn. I]
T. N. KRISHNAMURTI, Under Secy.

(प्रार्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 पक्ष्मतूबर 1971

साठ का० नि० 1899.—संविधान के प्रनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग में रोकड़-प्रधिकारी के श्रेणी II के पद पर भरती करने की पद्धति के निभाते के लिए नियम एतद्वारा बनाते हैं अर्थात् :—।

1. संक्षिप्त विवरण और प्रारम्भ :—(1) ये नियम वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग, रोकड़-प्रधिकारी (श्रेणी II) भरती नियम, 1971 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपद में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान — उक्त पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे सम्बन्धित वेतनमान वही होंगे जो इसके साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्धारित है।

3. भारती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भरती, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वही होंगी जो इसके साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 5 से 11 में निर्धारित हैं।

4. प्रवहन्ताएं.—कोई व्यक्ति, जिसने

(क) ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह किया हो अथवा विवाह का वचन दिया हो, जिसका पति/पत्नी जीवित है, अथवा

(ख) अपने पति/पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का वचन दिया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

यदि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाय कि ऐसे व्यक्ति और होने वाले पति/पत्नी पर लागू होने वाले व्यक्तिगत विविध के अनुसार इस प्रकार के विवाह की अनुमति है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

(5) छट बेने की शक्ति :— जिस मामले में केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि इस नियम के किन्हीं उपबन्धों में किसी श्रेणी वर्ग के व्यक्तियों/पदों के सम्बन्ध में छूट देना आवश्यक अथवा इष्टकर है, वही उसके लिए वह कारणों का लिखित रूप से अभिलेख करके और संघ स्थोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश जारी करके छूट दे सकती है।

अ न

पद का नाम पदों की वर्गीकरण संख्या वेतनमान प्रबलरण सीधी भर्ती सीधी भर्ती वालों के पद वालों के लिए अपेक्षित शैक्षण्यवा लिए शिक्षिक और प्रत्ययप्रबलरण आयु श्रहताएं ।
पद

1	2	3	4	5	6	7
रोकड़— अधिकारी	एक	साधान्य केन्द्रीय सेवा	₹० 350- (400)-25 ₹५००-३०-	लागू नहीं होता होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
		श्रेणी II (राजपत्रित)	५९०-८० रो ३०-			
		सचिवालयी ।	८००-८० रो०-३०- ८३०- ३५- ९००			

सूची

क्या सीधी भर्ती परिवेक्षा भर्ती की पदोन्नति।प्रतिनियुक्ति / यदि विभागीय वे परिवालों के लिए विहित की ति, या सीधी स्थानान्तरण द्वारा पदोन्नति स्थितिया
आयु और शैक्षणिक अवधि भर्ती द्वारा भर्ती की वशा में वे समिति विद्या-जितमें भर्ती
अर्हताएं पदोन्नति यदि कोई अथवा पदोन्नति संवर्ग जिनसे पदोन्नति/ मात है तो करते समय
की दशा में लागू हो द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थाना - उसकी संरचना संघलोक-सेवा
होगी प्रतिनियुक्ति/
स्थानान्तरण
द्वारा तथा वि�-
भिन्न पदोन्नतियों
द्वारा भरे जाने
वाले रिक्त
स्थानों की
प्रतिशतता

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता लागू नहीं प्रतिनियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर लागू नहीं जैसा संघ
होता। पर स्था- स्थानान्तरण होता लोक सेवा
नान्तरण द्वारा केन्द्रीय सचिवालय सेवा आयोग (परा-
के ऐसे सहायक जिनकी मर्श से छूट)
ग्रेड में नियमित सेवा विनियम
3 वर्ष की हो गई है 1958 के
और सचिवालय प्रशिक्षणशाला से रोकड़ अन्तर्गत
और लेखा का पांच्फूल क्रम पास कर लिया आवश्यक
है और सरकार के है।
अधीन कम से कम तीन वर्ष रोकड़िया
के रूप में काम किया
(प्रतिनियुक्ति की
अवधि- सामान्यतः
3 वर्ष से अधिक नहीं
होगी)

[सं. ए० 12018/ 7/70-प्र]

टी० एन० कृष्णमूर्ति,
अवर सचिव, 'भारत सरकार।

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 19th November 1971

G.S.R. 1900—In exercise of the powers conferred by rule 44 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Supplementary Rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Supplementary (Fourth Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Supplementary Rules,—

(a) in rule 116, in clause (e), for the portion commencing with the words "Controlling Officer" and ending with the words "claim is reasonable", the following shall be substituted, namely—

"Controlling Officer shall scrutinise the details and satisfy himself that the claim is reasonable."

(b) in rule 195,—

(1) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:—

"(c) to satisfy himself that mileage allowance for journeys by railways or steamer, excluding additional fare or fares allowed for incidental expenses, has been claimed at the rate applicable to the class of accommodation actually used and that concessional return tickets for the journey or journeys charged for in the bill were purchased wherever and whenever possible;"

(2) after clause (f), the following clause shall be inserted, namely:—

"(g) to satisfy himself that, where the actual cost of transporting personal effects/servants is claimed under these rules, the scale on which such effects/servants were transported was reasonable; and to disallow any claim which, in his opinion, does not fulfil that condition. In respect of claim for transporting personal effects, he shall also scrutinise the details and satisfy himself that the claim is reasonable."

[No. 5(3)-E.IV(B)/71.]

V. K. PANDIT, Under Secy.

(ध्यय विभाग)

नई विल्ली, 19 नवम्बर 1971

जी० एस० आर० 1900—राष्ट्रपति मौलिक नियम के नियम 44 द्वारा प्रचल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अनुपूरक नियम में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अनुपूरक (चौथा संशोधन) नियम, 1971 होगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अनुपूरक नियम में,—

(क) नियम 116 में, खण्ड (ड) में, "नियंत्रक अधिकारी" शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और "दावा उचित है" शब्दों से समाप्त होने वाले प्रभाग के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"नियंत्रक अधिकारी व्योरों की संवीक्षा करेगा और अपना समाधान करेगा कि दावा उचित है।"

(ख) नियम 195 में,—

(1) खण्ड (ग) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) अपना यह समाधान कर ले कि रेल या स्टीमर द्वारा याकारों के लिये मील भत्ते का दावा, आनुषंगिक व्यय के लिए अनुशात अतिरिक्त भाड़ा या भाड़े को छोड़कर, अस्तु : उपयोग किए गए दर्जे को लागू शर पर किया गया है, और यह कि याकार या याकारों के लिए रियायती वापसी टिकट, जिस का बिल में प्रभार दिया गया है, जहाँ कही भीर जब भी सम्भव था, खरीदे गए थे ;”

(2) खण्ड (च) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(छ) अपना यह समाधान कर ले कि जहाँ इन नियमों के अधीन निजी चीज-वस्तु/सेवकों के परिवहन के वास्तविक लंबे का दावा किया जाता है, वहाँ जिस मापमान पर ऐसी चीज-वस्तु / सेवकों का परिवहन किया गया था, क्या वह उचित था, और किसी भी ऐसे दावे को नामंजूर कर दें, जो उसकी राय में उस शर्त को पूरा नहीं करता। नियमी चीज-वस्तु के परिवहन के दावे के बारे में, वह व्योरों की भी संवीक्षा करेगा और अपना समाधान करेगा कि दावा उचित है।”

[सं० 5(3)-ई० IV (भी०)/71]

भी० के० अमित,
अबद उचित।

(Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 18th December 1971

G.S.R. 1901.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (i) These rules may be called the Central Excise (Eighteenth Amendment) Rules, 1971.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944 in rule 56A, for clause (iii) of sub-rule (3), the following clause shall be substituted, namely :—

“(iii) Any material or component parts in respect of which credit has been allowed under sub-rule (2) may, with the prior approval of the Superintendent of Central Excise having jurisdiction,—

- (a) be removed for export under bond or on payment of duty, or
- (b) be removed on payment of duty for home use or for repairs".

[No. 201/71-C.E.—No. F. 29A/2/70-CX.8.]

S. K. DHAR, Under Secy.

(राजस्व और शीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1971

सां० का० नि० 1901.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और लवण अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (अट्ठारहवां संशोधन) नियम, 1971 होगा।
- (ii) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की मारीख को प्रदृढ़ होंगे।
2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में नियम 56—क में उपनियम (3) के खंड (iii) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(iii) उपनियम (2) के अधीन कोई सामग्री या संबंदक भाग जिनके बारे में उधार अनुशासन किया गया है, अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक के पूर्विक अनुसोदन से,—

(क) बन्ध-पत्र के अधीन या शुल्क के संदाय करने पर नियर्ति के लिए हटाए जा सकेंगे, या

(ख) स्वदेश में उपयोग के लिए या मरम्मत करने के लिए शुल्क के संदाय करने पर हटाए जा सकेंगे।”

[नं० 201/71—क० श०—फा० सं० 2३४/2/70-सी०एक्ट० 8]

एम० कौ० घर,
अवर सचिव।

पर्यटन और नागर विभाग न मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1971

का० आ० 1762.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक श्रम और प्रशान्ति के हित में वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन आदेश जारी करना समीचीन है।

अतः अब उक्त धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :

कोई व्यक्ति इससे उपावद्ध अनुसूची के स्तरम् 2 की प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुसार के सिवाय उसके स्तरम् 1 में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के ऊपर वायुयान नहीं उड़ाएगा और न उड़ाने में सहायता करेगा, और वायुयान नियम, 1937 के नियम 12 के उपबन्ध प्रत्येक उस पायलट को जो उस आदेश के उल्लंघन में किसी ऐसे क्षेत्र के ऊपर उड़ान करता है, उसी रीति में सागू होते, जैसे वे उस पायलट को लागू होते हैं जो उक्त नियम के अर्थ में उक्त नियम के उपनियम (1) के उल्लंघन में किसी प्रतिषिद्ध क्षेत्र के ऊपर उड़ान करता है।

अनुसूची

क्षेत्र

प्रतिषेध का विस्तार

(1)

(2)

भारत और पाकिस्तान के राज्य क्षेत्र के बीच ग्रन्तराष्ट्रीय सीमा के पन्द्रह किलोमीटर के भीतर का क्षेत्र।

इस क्षेत्र के भीतर या बाहर वायुयान महानिदेशक की पूर्व अनुमा से प्राप्ति हो सकता है।

[सं० का० ए०वी० 11015/4/71-८०]

मंत्रजीवन खोसला,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार।

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

New Delhi, the 9th November, 1971

G. S. R. 1971.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Food and Nutrition Board (Non-Secretariat Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Food and Nutrition Board (Non-Secretariat Gazetted Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date on their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Food and Nutrition Board (Non-Secretariat Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1967,

(i) after item 1 and the entries relating thereto the following item and entries shall be inserted namely :—

I	2	3	4	5	6	7
"I. A. Director (Fruit and Vegetable Preservation)	I	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 1360— 60—1600	Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Govern- ment servants).	<i>Essential</i> (i) Degree in Chemi- cal engineering or Technology with Food/Fruit Tech- nology as one of the subjects of a rec- ognised University/ Institution or equivalent.

OR

(i) Degree in Science
(with Chemistry as
one of the subject)
or Degree in Agri-
culture and (2) Post
Graduate diploma
in Fruit Technology
from a recognised
University/Institu-
tion or equivalent.

(ii) About 10 years
experience in a
responsible capacity
in processing of
fruits and vegetable
in a factory of
repute and/or en-
forcement work
under Fruit Pro-
ducts Order, 1955.

(Qualifications relaxable
at the discretion of
the Union Public
Service Commission
in case of candidates
otherwise well qual-
ified).

	8	9	10	11	12	13
No.	2 years	By promotion failing which, by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion: (i) Senior marketing Officer (Fruit Products) Departmental (ii) Deputy Director (Fruit and Vegetable Preservation) With 5 years service in the respective grades rendered after appointment thereto on a regular basis. <i>Transfer on deputation</i> Officers from the Central/ State Governments with atleast 5 years service in post in the scale of Rs. 700—1250 or equivalent and possessing the qualifications mentioned in Column 7. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)			As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958";

(ii) after item 34 and the entries relating thereto, the following item and entries :

1	2	3	4	5	6	7
"3 B. 1) Deputy Director (Fruit and Vegetable Preservation).	4	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 700-40— 1100-50/2— 1250	Selection exceeding 40 years (Relaxable for Government servants).	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants).	<i>Essential:</i> (i) Degree in Chemical Engineering or Technology with food/fruit/Technology as one of the subjects of a recognised University/Institution or equivalent.

OR

(i) Degree in Science (with Chemistry as one of the subjects) or Degree in Agriculture and (a) Post Graduate Diploma in Fruit Technology from a recognised University/Institution or equivalent.

(ii) About 7 years' experience in a responsible capacity in the processing of fruits and vegetables in a factory of repute and/or enforcement work under Fruit Products Order, 1955.

(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).

shall be inserted namely :—

8	9	10	11	12	13
No.	2 years 50% by promotion; Promotion: 50% by direct recruitment.	(i) Deputy Senior Marketing Development Officer (Fruit Products) (ii) Senior Inspecting Officer (Fruit and Vegetable Preservation).	Class I Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958 ¹¹ ;	

with 5 years' service
in the respective
grades rendered after
appointment thereto
on a regular basis.

(iii) item 5B and 5C shall be renumbered as 5C and 5D respectively and before item 5C as so

1	2	3	4	5	6	7
*5 B. Senior Inspecting Officer (Fruit and Vegetable Preservation)	10	General Central Service Gazetted	Rs. 590—30— 830—35— 900	Selec- tion exceeding 35 years (Relaxabl- e for Govern- ment servants).	Net Essential:	(i) Degree in Chemi- cal Engineering or Technology with Food/Fruit Tech- nology as one of the subjects of a recog- nized University/ Institution or equivalent. OR (i) Degree in Science; (with Chemistry as one of the subjects) or Degree in Agricul- ture and (2) Post- Graduate Diploma in Fruit Technol- ogy from a recognis- ed University/ Institution or equivalent. (ii) About 5 years' experience in a responsible capacity in the processing of fruits and vegetables in a factory of repute and/or en- forcement work under Fruit Pro- ducts Order, 1955. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).

renumbered, the following item and entries shall be inserted, namely :—

8

9

10

11

12

13

No	2 years 20% by promotion, <i>Promotion:</i> failing which, by Marketing Development direct recruitment; Officer (FP), with 80% by direct recruitment.	3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Class II Depart- mental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consulta- tion), Regulations, 1958".
----	---	---	---	---

[No. F. A. 12018/5/70-EI].

U. V. BHAT, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

खाद्य विभाग

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1971

सां० का० शि० 1902 —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य और पोषण बोर्ड (अननुसचिवीय राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथातः—

1. (1) इन नियमों का नाम खाद्य और पोषण बोर्ड (अननुसचिवीय राजपत्रित पद) भर्ती (प्रिवीय संशोधन) नियम, 1971 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य और पोषण बोर्ड (अननुसचिवीय राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में,

(i) मद 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जायेगी, प्रथातः—

1	2	3	4	5	6	7
“1क. नि- देशक (फल और बनस्पति परिरक्षण)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 1, राजपत्रित	1300— 60— 1600— रु०	चयन प्रधिक होगी (सर- कारी सेवकों के लिए शि- क्षिल की जा सकेगी)	45 वर्ष से प्रधिक न होगी (सर- कारी सेवकों के लिए शि- क्षिल की जा सकेगी)	आवश्यक : (i) किसी मान्यता- प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्था से रासायनिक इंजीनियरी या प्रौ- द्योगिकी में उपाधि जिसके विषयों में खाद्य/फल प्रौद्यो- गिकी एक विषय रहा हो या सम- तुल्य । या, किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से (1) विज्ञान में उपाधि (जिसके विषयों में रसायन विज्ञान एक विषय रहा हो) या कृषि

किसी मान्यता-प्राप्त
विश्वविद्यालय/संस्था
से (1) विज्ञान
में उपाधि (जिसके
विषयों में रसायन
विज्ञान एक विषय
रहा हो) या कृषि

8	9	10	11	12	13
महीं	दो वर्ष	प्रोलिति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रति- नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और वोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोलिति (i) ज्येष्ठ विपणन अधिकारी (फल उत्पाद)	वर्ष 1 विभा- गीय प्रोलिति समिति ।	संघ लोक सेवा आयोग (परा- मर्श से कूट) विनियम, 1958 के अधीन यहा प्रयोगित ।"
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण					
केन्द्रीय/राज्य सरकारों के ऐसे अधिकारी,					

1 2 3 4 5 6 7

में उपाधि और (2)
फल प्रौद्योगिकी में
स्नातकोत्तर डि-
प्लोमा या समतुल्य ।

(ii) किसी भ्यासि-
प्राप्त कारखाने में
फल और बनस्ति के
प्रसंस्करण और/या
फल-उत्पाद मादेश,
1955 के अधीन
प्रबत्तन-कार्य का
उत्तरदायित्वपूर्ण
हैसियत में लगभग
दस वर्ष का प्रनुभव ।
(प्रहृताएं, प्रन्यथा
सुप्रहृत प्रत्या-
चियों की दशा में
संघ सोक सेवा प्रा-
योग के विवेकानुसार
स्थिति की जा सके-
गी) ।

(ii) घर 3(क) और उससे जुड़े प्रतिक्रियों के स्थान पर, निम्नलिखित मद और प्रवि-

"उत्त. उपाधि- चार	साधारण	₹ 00-	चयन	40 घण्टे से आवश्यक
देशक (फल)	डेन्ट्रीय	40-	अप्रिक न	
और बनस्ति	घेवा, वर्ष 1,	1100-	होगी (सर-	(i) किसी मान्यता-
विरक्षण)	चाचपत्रिक	50/2-	कारी सेवको	प्राप्त विश्वविद्यालय/
		1250	के लिए गि-	संस्था से रासायनिक
		60	थिल की जा	इंजीनियरी या
			सकेवी)	प्रौद्योगिकी में उपाधि

जिसके विषयों में
खाद्य/फल प्रौद्योगिकी
एक विषय रहा हो
या समतुल्य ।
या
(i) किसी मान्यताप्राप्त
विश्वविद्यालय/संस्था

किसी मान्यताप्राप्त
विश्वविद्यालय/संस्था

जिन्होंने 700—
1250 रु. के बेतन-
मास के पश्च पर कम
जैसे कम पांच वर्ष सेवा
की हो मा सभतुल्ल
और जिनके बास
स्वाम्य 7 में उत्ति-
विह असृताएं हों।

(प्रतिनियुक्ति की
अवधि-सामान्यतः
सीन वर्ष से अधिक
न होगी)।

जिएठकर्ड प्रभास्यापित्र की जावेंदी, अर्थात्:—

न	हो वर्ष	प्रभास अविकार प्रोत्संहित द्वारा।	प्रोत्संहित (i) उप ज्येष्ठ-विप्रलम्]	वर्ष 1 प्रिभा- शीब प्रोत्संहित विकास अधिकारी (कल-उत्पाद)	संघ लोक सेवा प्रयोग (परा- वर्ष से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित।"
() ज्येष्ठ निरीक्षक अधिकारी (कल और बनस्ति परिक्षण)। जिन्होंने अपनी-अपनी प्रेणियों वै निवासित आडार पर शिक्षित के पश्चात् पांच वर्ष सेवा की हो।					

से (1) विज्ञान में उपाधि (जिस के विषयों में रसायन विज्ञान एक विषय रहा हो) या कृषि में उपाधि और (2) फल प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा या समतुल्य।

(ii) किसी अध्यातिप्राप्त कारखाने में फल और बनस्पति के प्रसंस्करण और या फल-उत्पाद आदेश, 1955 के अधीन प्रबंधन-कार्य का उत्तरदायित्वपूर्ण हैसियत में लगभग सात वर्ष का अनुभव।

(अहंताएं, अन्यथा सुझाहित अध्याधियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिम की जा सकेगी)।

8

9

10

11

12

13

(iii) नव ५व और ५ग क्रमशः ५ग और ५व के रूप में पुनः संबोधित की जायेगी और इस अन्तर्भुक्त है:—

1	2	3	4	5	6	7
"इति. अथ वा लाभारण पिरीक्षक—	दस	लाभारण केन्द्रीय	५९०— ३०—	मनन ४३०— ३५—	३५ वर्ष से अधिक वा होमी (सर- कारी सेवकों के जिए शि- षियों की जा तकेगी)	प्राविहिक:
अविद्यारी (कला और वनस्पति वरिष्ठता)		सेवा, वर्ग २, राजनिति	८३०— ३५—	१००० रु०		(i) किसी मान्यता- प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्था से रसायनिक इंजीनियरी या ै- शोगिकी [में उपाधि जिसके विषयों] में काल/फल प्रौद्यो- गिकी एक विषय रहा हो या समतुल्य।

वा

किसी मान्यताप्राप्त
विश्वविद्यालय/संस्था]
में (1) विज्ञान में
उपाधि (जिसके
विषयों में रसायन
विज्ञान एक विषय
रहा हो या कृषि
में उपाधि और (2)
फल प्रौद्योगिकी में
स्नातकोत्तर डिप्लो-
मा वा समतुल्य।

(ii) किसी खातिं-
जात कारखाने में
फल] और वनस्पति
के प्रसंस्करण और/
वा फल/उत्पाद आ-
देश, 1955 के अधीन
प्रबंधन कार्य का
उत्तरदायित्वपूर्ण

प्रकार पुनः संस्थापित मद 5ग के पहले, निम्नलिखित मर्द और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जायेंगी,

8

9

10

11

12

13

मर्दी	दो वर्ष	बीस प्रतिशत	प्रोत्स्थिति :	मर्द १ विभा-	संच लोक सेवा
		प्रोत्स्थिति द्वारा,		भीड़ प्रोत्स्थिति	भागीर (परा-
		जिसके न हो	विपणन विकास प्रधि-	त्स्थिति	मर्द से छूट)
		सकने पर, सीधी	भारी (फल-उत्पाद),		विनियम, 1958
		भर्ती द्वारा;	जिन्होंने उस श्रेणी में		के प्रधीन यथा
		अस्ती प्रतिशत	नियमित आधार पर		प्रयोक्तित !"
		सीधी भर्ती	नियुक्ति के पश्चात्		
		द्वारा ।	तीन वर्ष सेवा की हो ।		

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

हैसियत में लगभग
पाँच वर्ष का अमु-
भव।

(अर्हताएं, अन्यथा
सुझाइत अभ्यासि-
यों को दशा में संघ
लोक सेवा आयोग
के विवेकानुसार छि-
धिल की जा सकेगी)

[सं. फा ए० 12018/5/70—ई० पाई०]

मू० धी० भट्ट,
अपर सचिव।

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 12th November 1971

G.S.R. 1963.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Delhi Milk Scheme (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—

(1) These rules may be called the Delhi Milk Scheme (Class III and IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Delhi Milk Scheme (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1968, in the entries relating to item No. 2 regarding the post of Junior Accountant, in column 10 for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"100 per cent by promotion from amongst the panel to be formed in order of merit from amongst the Upper Division Clerks, with minimum of 3 years' service in the grade, who qualify at a departmental competitive test and subsequent interview by the Departmental Promotion Committee."

[No. A-11020/12/71-EE.III.]

R. SUBRAHMAMIAM, Under Secy.

(हृषि विभाग)

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1971

जी० एस० आर० 1903:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली दुर्घट योजना (वर्ग 3 और 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम दिल्ली दुर्घट योजना (वर्ग 3 और 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 होगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होंगे।

2. दिल्ली दुर्घट योजना (वर्ग 3 और 4 पद) भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में, कतिष्ठ लेखापाल के बारे में मद सं० 2 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में, स्तम्भ 10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“अत प्रतिशत प्रोश्रति द्वारा, ऐसे उच्चश्रेणी-लिपिकों में से गुणागुण के आधार पर बनाए जाने वाले पैनल में से, जिन्हें उस श्रेणी में कम भी कम तीन वर्ष सेवा की हो, जो विभागीय प्रोश्रति समिति द्वारा ली गई विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा और उत्तरवर्ती साक्षात्कार में पारित हो गये हों।”

[सं० ए०-11020/12/71/इ०३०-III]

रा० सुश्रुतनियम,
अवर सचिव, भारत सरकार।

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

New Delhi, the 9th August 1971

G.S.R. 1904.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Drug Adviser in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Petroleum Aur Rasayan Mantralaya), namely:—

1. **Short title and commencement:**—(1) These rules may be called the Ministry of Petroleum and Chemicals (Petroleum Aur Rasayan Mantralaya) Drug Adviser Recruitment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Number, classifications and scale of pay.**—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualification.—The method of recruitment, age limit, qualification and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, or other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

4. Disqualifications.—No person,

- (a) Who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted, a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

THE SCHE

Recruitment Rules for the Post of Drug Adviser in Ministry of Petroleum

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or Non-Selection post	Age for direct recruits	Educational, and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Drug Adviser	One	General Service Class I Gazetted.	Rs. 1600—100—3000	Not applicable.	45 years and below (Relaxable for Government servants).	<p>Essential :</p> <p>(i) A post-graduate degree in Chemistry or Pharmaceutical Chemistry or Biochemistry or Pharmacy or Pharmacology of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) About 15 years experience in the manufacture or testing of drugs in an Industrial concern of repute or in dealing with problems of drug Industry in a Government Organisation.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p>Desirable :</p> <p>Adequate experience of Administration in examining prices of drugs or dealing with problems connected with import and export of drugs</p>

DULE

and Chemicals (Petroleum aur Rasayan Mantralaya)

Whether Period age and of pro- educational bation qualification if any prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Method or rectt. whether by direct recrt. or by promo- tion or by depu- tation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/ transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consult- ed in making rectt.
--	--	---	--	---

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

Not applicable.	2 Years.	By tranfer on deputation failing which by direct recruitment.	<i>Transfer on deputation :</i> Not applicable. Officers from Central or State Government having at least 10 years service in posts in the scale of Rs. 700—1600 or equivalent and possessing the qualifications in column 7. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.
-----------------	----------	---	--	--

[No. F. A-42011/11/70-Adm.I.]

R. N. CHOPRA, Under Secy.

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 अगस्त 1971

सां. का० नि० 1904 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त भवित्यों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में श्रोषित सलाहकार के पद पर भर्ती की पद्धति विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं ; प्रथा॑ :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :** (1) यह नियम श्रोषित सलाहकार (पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय) भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।

(2) यह शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त (लागू) होगा

2. **पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान—**पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपायद्वारा अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

3. **भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अध्ययनार्थी :** उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, योग्यतार्थी और उससे सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्ति-प्रबंधनों के अध्ययनार्थी की दशा में, सीधी भर्ती के लिए उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा, समय समय पर निकाले गये केन्द्रीय सरकार के साधारण आदेशों के अनुसार शिथिल किये जा सकेंगी ।

4. निर्धारणः—

(क) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हैं या तो एक पत्नी के जीवित रहते हुये किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है ।

(ख) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य न हो उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है किसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी ।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि इस प्रकार के विवाह से ऐसे व्यक्तियों तथा उक्त विवाह से सम्बन्धित अन्य पार्टी को उन पर लागू व्यक्तिक विधि के अन्तर्गत छूट है तथा उन के लिये ऐसी करने के लिये अन्य आधार भी विद्यमान हैं । किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छूट दे सकती है ।

5. शिखिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना ग्रावश्यक या समीचीन है, कि वहां उन कारणों से, जो लेखबद्ध किये जायेंगे, भादेश द्वारा अभियांत्रों के किसी वर्ष या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को शिखिल कर सकेगी।

प्रभु-

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में शौषधि

नाम पदों की वर्गीकरण वेतन प्रबंधन पद सीधी भर्ती वालों सीधी भर्ती वालों के क्या सीधी भर्ती
संख्या मान अथवा के लिये आयु लिये अपेक्षित शैक्षिक वालों के लिये
अप्रबंधन और अन्य योग्यताएँ विहित आयु और शैक्षिक
पद योग्यताएँ प्रोत्साहित की दशा में लागू नहीं होगी
1 2 3 4 5 6 7 8

शौषधि एक साधारण पदे लागू नहीं 45 वर्ष तथा आवश्यक : लाग नहीं
 सलाह- केन्द्रीय 1600— होता उससे कम (1) एक मान्यता होता।
 कार सेवा 100— आयु (सर- प्राप्त विश्वविद्यालय
 श्रेणी- I 2000 कारी कम- के रसायन या भेषजिक
 राजपत्रित चारियों के रसायन या जीव-
 लिये छूट दी रसायनी या शौषधि
 जा सकती निर्माण शास्त्र या
 है) श्रौषधि-प्रभाव-विज्ञान
 में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री
 अथवा उसके समतुल्य
 परीक्षा पास की
 हो।

(2) एक विषयात शौषधिक उद्यम में शौषधियों के विनिर्माण या परीक्षण में अथवा एक सरकारी संस्थान में शौषधि उद्योग की समस्याओं का समाधान के कार्य का लगभग 15 वर्ष का अनुभव

सूची

सलाहकार के पद के लिये भर्ती नियम

परिवीक्षा की भर्ती की नदूति, प्रोन्हति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की प्रोन्हति समिति विद्यमान वे परिस्थितियां कालावधि क्या भर्ती सीधी नान्तरण द्वारा भर्ती की विद्यमान जिनमें भर्ती यदि विभागीय करने में संघ यदि कोई हो होगी या प्रोन्हति दशा में वे धेणिया जिनसे विद्यमान करने से भर्ती लोक सेवा आयोग द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण नान्तरण किया जाना है उसका गठन से परामर्श किया द्वारा या विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी किस प्रकार जाना है। जाने वाली रिवितयों की प्रतिशतता

	9	10	11	12	13
2 वर्ष ।	स्थानान्तरण अथवा प्रतिनियुक्ति द्वारा किन्तु ऐसा न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार के अधिकारियों का, जिनका 700 रुपये से 1600 रुपये के बेतनमान वाले अथवा समतुल्य पदों का कम से कम 10 वर्ष की सेवा हो तथा जिन्हें कालम 7 में उल्लिखित योग्यतावें प्राप्त हों, प्रति- नियुक्ति पर स्थानान्तरण (प्रतिनियुक्ति की अवधि —सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक न हो ।	लागू नहीं होता ।	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) के वि- नियम, 1968 के अन्तर्गत जैसा उल्लेख हो ।	

1

2

3

4

5

6

7

8

(प्रत्यक्षा श्रेष्ठ योग्यता
प्राप्त अधिकारियों के
मामले में आयोग की
इच्छा पर अहंसाम्रो
में शिखिलता दी जा
सकती है)

वार्तालायः :

अधिकारियों के मूल्य की
जांच करने के प्रशा-
सन श्रेष्ठा अधिकारियों
के ग्रामाल एवं नियाति
से सम्बन्धित] सभ-
स्याम्रों के समाधान
के कार्य का पर्याप्त
प्रनुभव ।

9

10

11

12

13

[संख्या फा०ए०-42011/11/70-एडिस०]

भार० एन० चोपडा,
ग्रवर सचिव, भारत सरकार।

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 4th December 1971

G.S.R. 1905.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Government of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Death cum Retirement Benefits) Rules, 1958, namely:—

1. (1) These rules may be called the All India Services (Death cum Retirement Benefits) Second Amendment Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the All India Services (Death cum Retirement Benefits) Rules, 1958, after rule 16 the following rules shall be inserted, namely:—

“16A. Determination of date of birth: (1) For the purpose of the determination of the date of superannuation of a member of the Service, such date shall be calculated with reference to the date of his birth as accepted, or determined, by the Central Government under this rule.

(2) In relation to a person appointed, after the commencement of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Amendment Rules, 1971, to:

(a) the Indian Administrative Service under clause (a) or clause (aa) of sub rule (1) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Recruitment) Rules, 1954; or

(b) the Indian Police Service under clause (a) or clause (aa) of sub rule (1) of rule 4 of the Indian Police Service Recruitment) Rules, 1954, or

(c) the Indian Forest Service under clause (a) or clause (aa) of sub rule (2) of rule 4 of the Indian Forest Service (Recruitment) Rules, 1966.

the date of birth as declared by such person in the application for recruitment to the Service shall, in the absence of any cogent evidence to the contrary, be accepted by the Central Government as the date of birth of such person.

(3) The date of birth, in relation to a person to whom sub rule (2) does not apply and who is appointed to the Service after the commencement of the All India Services (Death cum Retirement Benefits) Amendment Rules, 1971, shall be determined in the following manner, namely:—

(a) every such member shall, within one month of the date on which he joins the Service, make a declaration as to the date of his birth.

(b) on receipt of a declaration made under clause (a), the Central Government shall, after making such inquiry as it may deem fit with regard to the declaration and after considering such evidence, if any, as may be adduced in support of the said declaration, make an order, within four months from the date on which such member had joined the Service, determining the date of birth of such member.

(4) (a) Every member of the Service holding office immediately before the commencement of the All India Services (Death cum Retirement Benefits) Amendment Rules 1971, shall within three months from such commencement make a declaration as to the date of his birth.

(b) On receipt of a declaration made under clause (a), the Central Government shall after making such inquiry as it may deem fit with regard to the declaration and after considering such evidence if any, as may be adduced in support of the said declaration make an order, within four months from the date of such declaration determining the date of birth of such member.

(5) In the case of a member of the Service referred to in sub-rule (3), or sub-rule (4), as the case may be who fails to make a declaration in respect of the date of his birth as required by such rule, the Central Government shall after taking into account such evidence as may be available to it and after giving such

member a reasonable opportunity of being heard make an order determining the date of birth of such member.

(6) Notwithstanding anything contained in this rule no date of birth, other than the date of birth declared by a member of the Service, shall be accepted or determined, in relation to such member except after giving such member a reasonable opportunity of showing cause against the proposed action.

(7) Every date of birth accepted, or determined, under this rule shall subject to rule 16B, be final.

16B. Memorials.—The provisions of rule 25 of the All India Services (Discipline and Appeal) Rules, 1969, shall, so far as may be, apply to memorials against an order of the Central Government under rule 16A, subject to the modification that for the words "within a period of three years from the date of the passing of such order" occurring in sub rule (1) of the said rule 25, the words "within a period of three months from the date of the order" shall be substituted".

[No. 29/27/71-AIS(II).]
B, NARASIMHAN, Under Secy.

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्यक्रम विभाग)

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर 1971

जी० एस० आर० १९०५।—अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सम्बन्धित राज्य सरकारों के प्रभारी के बाद अखिल भारतीय सेवाएं (मृत्यु और सेवा निवृत्ति लाभ) नियम 1958 में आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्।—

1. (1) इन नियमों को अखिल भारतीय सेवाएं (मृत्यु और सेवा निवृत्ति लाभ) द्वारा संशोधन नियम 1971 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. अखिल भारतीय सेवाएं (मृत्यु और सेवा निवृत्ति-लाभ) नियम 1958 में नियम 16 के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ दिये जायेंगे, अर्थात् :—

"16 क. जन्म तिथि का निर्धारण।—सेवा के किसी सदस्य की अधिवार्षिकी तारीख निर्धारण करने के प्रयोजन से अधिवार्षिकी तारीख का हिसाब उस अधिकारी की उस जन्म तिथि से लगाया जायेगा जो कि केन्द्रीय सरकार ने इस नियम के अन्तर्गत जन्म तिथि के रूप में मानी या निर्धारित की हो।

(2) उस व्यक्ति के सम्बन्ध में जिसकी नियुक्ति अखिल भारतीय सेवाएं (मृत्यु और सेवा निवृत्ति-लाभ) संशोधन नियम के लागू होने के बाद निम्नलिखित सेवाओं में की गई हो :—

(क) भारतीय प्रशासन सेवा।—भारतीय प्रशासन सेवा (भर्ती) नियम 1954 के नियम 4 उपनियम (1) के खण्ड (क) या खण्ड (कक) के अन्तर्गत; या

(ख) भारतीय पुलिस सेवा में भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम 1954 के नियम 4 के उपनियम (1) के खण्ड (क) या खण्ड (कक) के अन्तर्गत; या

(ग) भारतीय वन सेवा में भारतीय वन सेवा (भर्ती) नियम 1966 के नियम 4 के उपनियम (2) के खण्ड (क) या खण्ड (कक) के अन्तर्गत उसकी जन्म तिथि केन्द्रीय सरकार द्वारा वही मानी जायेगी जो कि उसने उक्त सेवा में भर्ती के लिए दिये गये अपने आवेदन पत्र में घोषित की हो बशर्ते कि इसके बिना कोई सुसंगत साक्ष्य उपलब्ध न हो ।

(3) उस व्यक्ति की जन्म तिथि जिस पर उपनियम (2) लागू नहीं होता तथा जिसकी सेवा में नियुक्ति अखिल भारतीय सेवाएं (मत्यु और सेवा निवृत्ति लाभ) संशोधन नियम 1971 के लागू होने के बाद हुई है निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित की जायेगी, अर्थात् :—

(क) इस प्रकार का प्रत्येक व्यक्ति सेवा में कार्य-ग्रहण करने की तारीख से एक महीने के भीतर अपनी जन्म तिथि के सम्बन्ध में घोषणा करेगा ।

(ख) खण्ड (क) के अधीन की गई घोषणा की प्राप्ति पर केन्द्रीय सरकार उस घोषणा के सम्बन्ध में यथोचित जांच पड़ताल कर के तथा इस घोषणा के समर्थन में प्रस्तुत किये गये साक्ष्य यदि कोई हूँ तो पर विचार करने के बाद उस अधिकारी को सेवा में कार्य-ग्रहण की तिथि से 4 महीने के अन्वर एक आदेश जारी करेगी जिसमें उस अधिकारी की जन्म तिथि निर्धारित कर दी जायेगी ।

4. (क) सेवा के प्रत्येक सदस्य को जो अखिल भारतीय सेवाएं (मत्यु और सेवा निवृत्ति लाभ) नियम 1971 के लागू होने के तरकाल पूर्व पद ग्रहण किये हुए हैं इन नियमों के लागू होने के तीन महीने के अन्वर अपनी जन्म तिथि के सम्बन्ध में घोषणा करनी होगी ।

(ख) खण्ड (क) के अधीन की गयी घोषणा के प्राप्त हो जाने पर केन्द्रीय सरकार उस घोषणा के सम्बन्ध में यथोचित जांच पड़ताल करने तथा उस घोषणा के समर्थन में प्रस्तुत किये गये साक्ष्य यदि कोई हूँ तो पर विचार करने के बाद उस घोषणा की तारीख से 4 महीने के अन्वर एक आदेश जारी करेगी जिसमें उसकी जन्म तिथि निर्धारित कर दी जायेगी ।

(5) यथास्थित उपनियम (3) या उपनियम (4) में उल्लिखि द्वारा के पदाधिकारी के सम्बन्ध में जिसने उस उपनियम की अपेक्षा अनुसार घोषणा न की तो केन्द्रीय सरकार अपने को उपलब्ध जानकारी के आधार पर तथा उस अधिकारी को सुनवाई का उचित अवसर देकर एक आदेश जारी करेगी जिसमें उसकी जन्म तिथि निर्धारित कर दी जायेगी ।

(6) इस नियम में की गई किसी भी व्यवस्था के बावजूद उस सेवा अधिकारी के सम्बन्ध में उसके द्वारा घोषित की गई जन्म तिथि के अलावा कोई और तिथि तब तक मानी या निर्धारित नहीं की जायेगी जब तक कि उक्त अधिकारी को प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कारण बताने के लिए उचित अवसर न प्रदान किया गया हो ।

(7) इस नियम के अधीन मानी या निर्धारित की गई प्रत्येक जन्म तिथि बशर्ते कि वह नियम 16ख के अनुकूल हो अंतिम रूप से मान्य होगी ।

16व.^o—अभ्यावेदन नियम 16क के अन्तर्गत दिये गये केन्द्रीय सरकार के आदेश के विलुप्त अभ्यावेदन के सम्बन्ध में जहाँ तक ही सके अखिल भारतीय सेवा (आचरण तथा अपील) नियम 1969 के नियम 25 के उपबन्ध इस संशोधन के साथ लागू होंगे कि उक्त नियम (1) में विद्यमान शब्द “ऐसे आदेश के जारी होने की तिथि से 3 वर्ष की अवधि के भीतर” के स्थान पर शब्द “इस आदेश की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर” प्रतिस्थापित किये जायेंगे”।

[सं० 29/27/71-प्रभा०सं०-11]

बौ० नरसिंहन्,
प्रब्र. सचिव, भारत सरकार।

(Department of Personnel)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th December 1971

G.S.R. 1907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Central Bureau of Investigation (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971, published at pages 3722-3723 of the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-Section (1), dated the 18th September, 1971, the following shall be substituted on page 3723:—

- (i) in line 9, for “post”, read “posts”;
- (ii) in line 17, for “falling which by deputation transfer”, read “falling which by deputation/transfer”;
- (iii) in line 21, for “falling which deputation”, read “falling which by deputation”;
- (iv) in line 23, for “falling which by deputation/transferred”, read “falling which by deputation/transfer”.

[Na. 213/6/70-AVD-II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

MERCHANT SHIPPING

New Delhi, the 9th November 1971

G.S.R. 1907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, namely:—

1. (1) This Scheme may be called the Seamen's Provident Fund (Third Amendment) Scheme, 1971.
(2) It shall come into force on the date of their notification in the Official Gazette.
2. For paragraphs 53, 54, 55, 56, 57 and 58 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, the following paragraphs shall be substituted, namely:
“53. Financing of Members' Life Insurance Policies.—
(1) Where a member desires that premium due on a policy of Life Insurance taken by him on his own life should be financed from his Provident Fund Account,

he may apply in such form and in such manner as may be prescribed by the Commissioner.

(2) On receipt of such application, the Commissioner or, where so authorised by the Commissioner, any other officer subordinate to him may make payment on behalf of the member to the Life Insurance Corporation of India towards premium due on his policy.

Provided that no such payment shall be made unless the premium is payable half yearly or yearly.

(3) Any payment made under sub-paragraph (2) shall be made out of and debited to the member's own contribution with interest thereon standing to his credit in the Fund.

(4) No payment shall be made under sub-paragraph (2) unless the member's own contribution in his Provident Fund Account with interest thereon is sufficient to pay the premium and where the payment is to be made on the first premium, sufficient to pay premiums for two years.

(5) No payment shall be made towards a policy unless it is legally assignable by the member to the Board.

(6) The Commissioner shall before making payment in respect of existing policies, satisfy himself by reference to the Life Insurance Corporation that no prior assignment of the policy exists and the policy is free from all encumbrances.

(7) No educational endowment policy or marriage endowment policy shall be financed from the Fund, if such policy is due for payment in whole or in part before the members attains the age of 55 years.

54. Conversion of Policy into a paid up one and payment of late fee, etc.—

Where a policy of Life Insurance of a member is financed from his Provident Fund Account, the Commissioner may.

(a) convert the Insurance Policy into a paid up one when the credit in his Provident Fund on account of his share becomes inadequate for the payment of any premium;

(b) pay late fee and interest out of the member's own contribution in his Provident Fund Account, if any premium cannot be remitted to the Life Insurance Corporation in time because of delay in sending to the Commissioner the policy duly assigned to the Board or any other reasons for which the member or his employer may be responsible.

55. Assignment of Policies to the Fund.—

(1) The Policy shall, within six months of the first payment under paragraph 53, be assigned by endorsement thereon, to the Board and shall be delivered to the Commissioner.

(2) Notice of the assignment of the Policy shall be given by the member to the Life Insurance Corporation and the acknowledgment of the said notice by the Corporation shall be sent to the Commissioner within three months of the date of assignment.

(3) The terms of the policy shall not be altered nor shall the policy be exchanged for another policy without the prior consent of the Commissioner to whom the details of the alterations or of the new policy shall be furnished in such form as he may specify.

(4) If the policy is not assigned and delivered as required under sub-paragraph (1), or is assigned otherwise than to the Board, or is charged or encumbered or lapses, any amount paid from the Fund in respect of such policy shall with interest thereon at the rate provided under paragraph 51 be repaid by the member forthwith to the Fund. In the event of default, the employer shall, on receipt of such directions as may be issued by the Commissioner in this behalf, deduct the amount in lump sum or in such instalments as the Commissioner may determine from the emoluments of the member and pay it to the Fund within such

time and in such manner as may be specified by the Commissioner. The amount so repaid or recovered shall be credited to the member's account in the Fund.

56. Bonus on policy to be adjusted against payments made from the Fund.—

So long as the policy remains assigned to the Board, any bonus accruing on it may be drawn by the Board or where authorised by the Board, by the Commissioner, and adjusted against the payments made on behalf of the member under paragraph 53.

57. Reassignment of policies.—

(1) Where the accumulations standing to the credit of the member are withdrawn under paragraph 59 or when the member repays to the Fund the amounts of premium paid by the Board with interest thereon at the rate provided in paragraph 51, the Board or where authorised by the Board, the Commissioner, shall reassign by endorsement thereon the policy to the member together with a signed notice of reassignment addressed to the Life Insurance Corporation.

(2) If the member dies before the policy has been reassigned under subparagraph (1), the Board or where authorised by the Board, the Commissioner, shall reassign by the endorsement thereon, the policy to the nominee of the member if a valid nomination subsists and if there be no such nominee, to such person as may be legally entitled to receive it together with assigned notice of re-assignment addressed to the Life Insurance Corporation.

58. Recovery of amounts paid towards Insurance Policies.—

If a policy matures or otherwise falls due for payment during the currency of its assignment, the Board or where so authorised by the Board, the Commissioner, shall realise the amount assured together with bonus, if any, accrued thereon place to the credit of the member the amount so realised, or the whole of the amount paid from the Fund in respect of the policy with interest thereon, whichever is less, and refund the balance, if any, to the member."

[No. 5-MT(7)/71.]

J. K. BHATTACHARYA, Dy. Secy.

नौवाहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

व्यापारिक नौवाहन

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1971

जी०एस०आर० 1907.—नाविक निवाह तिथि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 3 की उप-धारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार नाविक निवाह निधि परियोजना, 1966 में प्रागे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित परियोजना बनाती है, अर्थात् :—

(1) इस परियोजना का नाम नाविक निवाह निधि (तृतीय संशोधन) परियोजना, 1971 होगा।

(2) यह शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2—नाविक निवाह निधि परियोजना 1966 के पैरे 53, 54, 55, 56, 57 तथा 58 के स्थान पर निम्नलिखित पैरे प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—

53. सरस्यों की जीवन बीमा पालिसियों के संबंध में वित्त-व्यवस्था :

(1) जहां सदस्य चाहता है कि उसके द्वारा अपने जीवन के लिये प्राप्त जीवन बीमा पालिसी के संबंध में देय बीमा किस्त की अदायगी उसके निवाह निधि लेखा से की जाए, वहां वह आयुक्त द्वारा निर्धारित कार्य पर और नियत ढंग से आवेदन करेगा।

(2) ऐसे निवेदन पत्र की प्राप्ति पर आयुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृति किया या अपने अधीनस्थ बोर्ड अन्य अधिकारी, सदस्य की पालिसी के सम्बन्ध में देय बीमा किस्त, उसकी ओर से भारतीय बीमा निगम को अदा करेगा।

परन्तु ऐसा भुगतान तब तक नहीं किया जायेगा, जब तक कि बीमा किस्त अर्धवार्षिक या वार्षिक रूप से देय न हो।

(3) उप-पैरा (2) के अन्तर्गत किया गया कोई भुगतान, निधि में सदस्य के अपने नाम जमा व्याज सहित अंशदान से करके उसके नाम ढाल दिया जायेगा।

(4) उप-पैरा के अन्तर्गत तब तक कोई भुगतान नहीं किया जायेगा जब तक कि सदस्य के निर्वाह निधि लेखा में उसका व्याज सहित अंशदान बीमा की किस्तों अदा करने के लिए काफी नहीं है और पहली बीमा किस्त अदा करने की हालत में उक्त रकम को वर्ष की बीमा किस्तों के भुगतान के लिये पर्याप्त नहीं है।

(5) किसी पालिसी के सम्बन्ध में कोई भी भुगतान तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि वह कानूनी तौर पर सदस्य द्वारा बोर्ड के लिये समनुदेशित नहीं की जाती।

(6) मौजूदा पालिसियों के सम्बन्ध में भुगतान करने से पहले आयुक्त जीवन बीमा निगम के साथ सम्पर्क स्थापित करके तसल्ली कर लेंगे कि पालिसी का कोई पूर्ण समनुदेशन नहीं है और पालिसी सभी प्रकार के ऋणभारों से मुक्त है।

(7) कोई भी शैक्षणिक अध्ययननिधि पालिसी या विवाह अध्ययननिधि पालिसी के लिये उक्त निधि से वित्त व्यवस्था नहीं की जायेगी, यदि ऐसी पालिसी सदस्य के 55 वर्ष की आयु प्राप्त करने से पहले समग्र या आंशिक रूप से भुगतान के लिये देय है।

54. पालिसी का प्रदत्त रूप में परिवर्तन तथा विलम्ब शुल्क आदि का भुगतान :

जहां किसी सदस्य की जीवन बीमा सम्बन्धी पालिसी की बीमा किस्तें उसके निर्वाह निधि लेखा से अदा की जाती है वहां आयुक्त—

(क) बीमा पालिसी को उस हालत में प्रदत्त रूप में बदल सकता है जबकि उसके हिस्से के अनुसार उसकी निर्वाह निधि में जमा रकम किसी बीमा किस्त के भुगतान के लिये अपर्याप्त हो जाती है।

(ख) सदस्य के अपने निर्वाह निधि लेखा में पड़े अपने अंशदान से विलम्ब शुल्क और व्याज का भुगतान कर सकता है, यदि बोर्ड के लिये निर्धारित पालिसी के आयुक्त को देर से भेजने के कारण या किसी और कारणों से जिसके लिये सदस्य या उसका मालिक जिम्मेदार हो, जीवन बीमा निगम को बीमा किस्त समय पर नहीं भेजी जा सकती।

55. निधि के लिए पालिसियों का समनुदेशन :

(1) पैरा 53 के अन्तर्गत पहले भुगतान के छः मास के अन्दर पालिसी के ऊपर पृष्ठांकन करके उसे बोर्ड को निर्धारित करके आयुक्त को वितरित कर दिया जायेगा।

(2) सदस्य, जीवन बीमा निगम की पालिसी के समनुदेशन की सूचना देगा और निगम द्वारा उक्त सूचना की पावती, निधारण की तारीख से तीन महीनों के अन्दर आयुक्त को भेज दी जायेगी।

(3) आयुक्त की पूर्णप्रिनमति के बिना पालिसी की शर्तें नहीं बदली जायेंगी और न ही उसका अन्य पालिसी के साथ आदान प्रदान किया जायेगा और जिसे उसके आदेशानुसार फार्म में परिवर्तनों या नयी पालिसी का व्यापा भेज दिया जायेगा।

(4) यदि उप-पैरा (1) के अनुसार पालिसी समनुदेशित तथा वितरित नहीं की जाती या बोर्ड के अतिरिक्त अन्यथा समनुदेशित की जाती है या उसके सम्बन्ध में कोई प्रभाव देय या पारम्परा है अथवा कोई अन्य कमियां हैं तो ऐसी पालिसी के विषय में निधि से प्रदत्त रकम पैरा 51 के अन्तर्गत किये गये उल्लेखानुसार दर पर ब्याज सहित सदस्य द्वारा निधि को तुरत लौटानी होगी। ऐसा न किये जाने पर इस सम्बन्ध में आयुक्त द्वारा जारी किये जाने वाले ऐसे निर्देशनों का प्राप्ति पर मालिक सदस्य की परिलिङ्गियों में से इकमुश्त रूप में या आयुक्त द्वारा निर्धारित किस्तों में उक्त रकम को काट लेगा और उसे आयुक्त के आदेश अनुसार निश्चित समय और ढंग से निधि से जमा करा देगा। इस प्रकार अनुपेंदतया बसूल की गई रकम निधि में सदस्य के लेखा में जमा कर दी जायेगी।

56. निधि से किये गये भुगतानों के संबंध में पालिसी के विषय में प्राप्त किये गये बोनस का समंज्ञम् :

जब तक पालिसी बोर्ड के लिये समनुदेशित रहती है, तब तक उसके सम्बन्ध में प्राप्त किये जाने वाला बोनस, बोर्ड द्वारा आयुक्त द्वारा या वहाँ बोर्ड द्वारा उसे प्राधिकृत किया गया हो प्राप्त किया जायेगा और उसे पैरा 53 के अन्तर्गत सदस्य द्वारा किये गये भुगतान के साथ समंजित किया जायेगा।

57. पालिसियों का पुनर्संमनुदेशन :

(1) जहाँ पैरा 59 के अन्तर्गत सदस्य के खाते में जमा रकम निकाल ली जाती है या वह पैरा 51 में दिये गये उल्लेखानुसार दर पर ब्याज सहित बोर्ड द्वारा अदा की गई बीमा किस्तों की रकम निधि को लौटा देता है तो बोर्ड या उसके द्वारा प्राधिकृत आयुक्त, पालिसी पर पृष्ठांकन करके उसका सदस्य के लिये समनुदेशन कर देगा और उसके साथ जीवन बीमा निगम के नाम एक हस्ताक्षरित पुनर्संमनुदेशन सूचना भेज देगा :

(2) उप-पैरा (1) के अन्तर्गत पालिसी के समनुदेशन से पहले यदि सदस्य मर जाता है तो बोर्ड द्वारा प्राधिकृत आयुक्त, पालिसी पर पृष्ठांकन करके उसे उपर्युक्त नामांकन की अवस्था में सदस्य के नामांकित व्यक्ति को श्री ऐसे नामांकित यवित के न रहते ऐसे व्यक्ति के लिये पुनर्संमनुदेशित करेगा जोकि इस वैध रूप से प्राप्त करने का अधिकारी हो सकता है और इसके साथ जीवन बीमा निगम के नाम पुनर्संमनुदेशन की हस्ताक्षरित सूचना दी जायेगी।

58 बीमा पालिसियों के संबंध में अदा की गई रकमों की बसूली :

यदि पालिसी समाप्त हो जाती है या इसके समनुदेशन के प्रचलन के दौरान अन्यथा भुगतान के लिये देय हो जाता है तो बोर्ड या वहाँ बोर्ड द्वारा आयुक्त को प्राधिकृत किया जाता है वह बीमा की रकम तथा उस पर देय बोनस, यदि हो, बसूल करके या पालिसी के सम्बन्ध में निधि से प्रदत्त रकम और उस पर देय ब्याज, जो भी कम हो, सदस्य के लेखा में जमा कर देगा और यदि रकम शेष बचे तो उसे सदस्य को लौटा देगा।

[सं० ५-एम०टो० (7) 71]

जे० के० भट्टाचार्य, उप सचिव।

(Transport Wing)
MERCHANT SHIPPING

New Delhi, the 14th December 1971

G.S.R. 1908.—In exercise of the powers conferred by section 87, read with sub-Section (3) of section 461, of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Rules relating to the Examination of Masters and Mates, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport No. S.R.O. 1965, dated the 12th June, 1954, namely:—

1. (1) These rules may be called the Examination of Masters and Mates (Amendment) Rules, 1971.

(2) They shall come into force on the 1st day of January, 1972.

2. In rule 65 of the Rules relating to the Examination of Masters and Mates (hereinafter referred to as the said rules), for the last paragraph and the Table, the following shall be substituted, namely:—

“To pass in the written portion of examination in respect of the subjects specified in the table below, a candidate shall have to obtain the percentage of marks indicated against each subject in column (3) of the table and also to obtain an aggregate of 60 per cent of the total marks. The time, total marks allotted to and the percentage of marks required to be obtained for a pass in each paper of the written examination for each grade of certificate shall be as follows:—

	Time Hours	Marks	% Pass
(a) Second Mate (Foreign going)			
<i>First Day</i>		(1)	(2)
1. General ship knowledge	3 hrs	200	50
2. Chartwork	2 hrs	150	70
<i>Second Day</i>			
3. Practical navigation and Principles of navigation	3 hrs	200	70
4. Meteorology	2 hrs	100	50
<i>Third Day</i>			
5. General physics	3 hrs	200	50
6. Mathematics	2 hrs	150	50
		1,000	60
		Aggregate	

Fourth or subsequent days

S g nals and Orals

(b) First Mate (Foreign-going)

	(1)	(2)	(3)
<i>First Day</i>			
1. Navigation and chartwork	3 hrs	200	70
2. Radio and electronics	2 hrs	150	50
<i>Second Day</i>			
3. Ship construction and stability	3 hrs	200	50
4. Electricity	2 hrs	150	50
<i>Third Day</i>			
5. Safety, carriage of goods and ship maintenance	3 hrs	200	50
6. Meteorology, Ocean currents and routing	2 hrs	100	50
		1,000	60
		Aggregate	

Fourth or subsequent days

Signals and Orals

(c) *Master (Foreign-going)*

<i>First Day</i>	(1)	(2)	(3)
1. Ship construction and stability	3 hrs	200	60
2. Commercial knowledge and ship's business	2 hrs	200	50
<i>Second Day</i>			
3. Radio and Navigational aids	3 hrs	200	60
4. Engineering knowledge instruments and control systems	2 hrs	200	50
<i>Third Day</i>			
5. Magnetism, magnetic and gyro compasses	3 hrs	200	50
*6. Meteorology, Ocean currents and routing	2 hrs	100	50
		1,000 Aggregate	60

Fourth or subsequent days

Signals and Orals

(d) *Mate (Home-Trade)*

<i>First Day</i>	(1)	(2)	(3)
1. Practical Navigation	3 hrs	150	70
2. General Ship Knowledge	2 hrs	150	50
<i>Second Day</i>			
3. Chartwork and Pilotage	2 hrs	150	70
4. Meteorology	1½ hrs	100	50
		550 Aggregate	60

Fourth or Subsequent Days

Signals and Orals.

(e) *Master (Home-Trade)*

<i>First Day</i>	(1)	(2)	(3)
1. Practical Navigation	3 hrs	200	70
2. Ship Construction and Stability	2 hrs	150	50
<i>Second Day</i>			
3. Chartwork and Pilotage	2 hrs	150	70
4. Elementary Magnetism and Compass	1½ hrs	100	50
<i>Third Day</i>			
5. Meteorology	1½ hrs	100	50
		700 Aggregate	60

*Marks for this paper are not included in the aggregate.
See Rule 117.

94. *Fourth or Subsequent Days.*—

Signals and Orals."

3. In rule 94 of the said rules, after the fourth paragraph the following paragraph shall be inserted, namely:—

"Although the purpose of examinations held under these rules is not to examine candidates for proficiency in the English language, it is necessary that answer should be couched in correct English. Any mistake as to composition of sentences or accuracy of spelling may therefore cause loss of marks".

4. After rule 94 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:—

"94A. Notwithstanding anything contained in these rules, any candidate who has appeared for and failed in an examination for any grade of certificates held under these rules prior to 1st January, 1972, may, at his option, be eligible to appear for the examinations held upto 31st July, 1972, in written Part of such examinations in accordance with the provisions of the rules as in force upto 31st December, 1971."

5. In rule 95 of the said rules, for the fourth paragraph the following shall be substituted, namely:—

"The written papers in subjects, such as physics and mathematics are intended to test the candidates' grasp of fundamentals of laws of physics and mathematics. Mathematical proofs of formulæ are not required unless so specified in the syllabus".

6. For rules 96 to 103 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely:—

96. Paper 1. (written).

General Ship Knowledge (3 hours).

(a) General ideas on ship-construction and on plans available on board ship
General definitions of main dimensions.

The names of the principal parts of a ship.

The candidate will be expected to show his practical acquaintance with—

Longitudinal and transverse framing, beams and beam knees, watertight bulkheads, hatchways and closing appliances, rudders, steering gear, shell and deck plating, double bottoms and peak tanks, bilges, side and wing tanks, stern frames, propellers and propeller shafts, stern tubes, sounding pipes, air pipes, General pumping arrangements.

The stiffening and strengthening to resist pointing, pounding and longitudinal stresses, and cause and simple methods of prevention of corrosion in a ship's structure.

(b) General ideas of welding rivetting and burning and the precautions to be taken when such processes are carried out on board ship.

(c) The meaning of the terms—

block coefficient, displacement, deadweight, buoyancy, and Reserve buoyancy.

Laws of floating body. Use of displacement and tonnes per centimetre immersion scales to determine weights of cargo or ballast from draughts or free-board.

Effect of density of water on draught and free-board.

Fresh water allowance.

(d) General understanding of definitions of:—

Centre of gravity, Centre of buoyancy, Metacentric height Righting lever, Righting moment. ...

The effect of adding and removing weights on ship's centre of gravity, centre of buoyancy and metacentric height.

The danger of slack tanks.

Rigging a ship for loading and discharging cargo, the use of derricks, winches and cranes.

'Lining up' pipelines on oil products carriers.

The stowage separation and Dunnaging of cargoes including bulk cargoes.

Causes of sweating and precautions to be taken before, during and after stowing to prevent damage by sweat.

Importance of dew point, air temperature and sea temperature in the practice of cargo ventilation.

A knowledge of the safety precautions to be taken during the loading and discharging of bulk oil, chemicals and other inflammable commodities.

Gas detection and methods of gas freeing large tanks.

Danger of explosions in tankers due to presence or gases.

Hazards arising from static electricity in tankers.

Calculations of capacities taken up by part cargoes and the space remaining.

Conversion of weight measurement of cargo into space measurement and vice versa.

The making and use of cargo plans.

Ventilation systems of holds and tanks.

Precautions to be taken before entering cargo and ballast tanks and void spaces.

Elementary knowledge of carriage of dangerous goods. Outline knowledge of relevant parts of Indian Dock Labour Regulations.

(c) Safety.

The names and functions of the various parts of a ship's lifeboat and liferaft.

Care and maintenance of all life-saving and fire fighting appliances, lifeboat and liferaft equipment, lights and sound signals.

97. Paper 2. (written)

Chartwork (2 hours)

(a) Given variation and the deviation of the magnetic compass or gyro error, to convert true courses into compass courses and vice-versa.

Given a sample table of deviations to extract the deviation, thence to convert true courses into magnetic and compass courses.

To find the compass course between two positions.

The effect of current on speed.

Allowance for leeway.

Given compass course steered, the speed of the ship and direction and rate of the current, to find the true course made good.

To find the course to steer allowing for a current.

Given the course steered and distance run, to determine the set and rate of the current experienced between two positions.

(b) To fix a position of the ship on a chart by simultaneous cross bearings, bearing and range, by positional information from radio aids to navigation or by any combination applying the necessary connections.

(c) To fix the position by bearings of one or more objects with the run between, allowing for a current and to find the distance at which the ship will pass a given point.

The use of position lines and circles obtained by any method.

(d) The use of clearing marks and horizontal and vertical danger angles. Distance of sighting lights.

(e) To find the time and height of high and low water at Standard ports and at Secondary ports by tidal differences.

The use of tables and tide curves to find the time at which the tide reaches a specified height or the height of the tide at a given time and thence the approximate correction to be applied to soundings or to charted heights of shore objects.

(f) Candidates will be examined orally on the information given on a chart or plan particularly about:—

buoys, lights, radio beacons, navigational aids, depths and nature of bottom, use of soundings, depth and height contours, tidal streams, traffic lanes and separation zones, and recognition of the coast and radar responsive targets.

(g) Candidates will be required:—

(a) to demonstrate the ability to make intelligent use of sailing directions and

(b) to understand the use of Notices to mariners and to be familiar with process of chart correction

(h) Candidates will be examined practically on the use of lattice charts and gnomonic charts.

98. Paper 3 (written)

Practical Navigational and Principles of Navigation (3 hours),

(1) In this paper, candidates may be asked to draw a figure reasonably to scale and to state the projection used,

(2) Practical Navigation—

(a) Practical problems on plans and Mercator sailing.

(b) The use of the traverse tables to obtain the position of the ship at any time, given compass courses, variations, deviations and the run recorded by log or calculated by time and estimated speed, allowing for the effects of wind and current, if any.

(c) To find the latitude by meridian altitude of a heavenly body. Latitude by observation of Polaris.

(d) From an observation of any heavenly body near or out of the meridian, to find the direction of the position line and a position through which it passes.

(e) To obtain a position by the use of position lines obtained from any two observations with or without run.

(f) To find the true bearing of a heavenly body, the compass error thence the deviation of the magnetic compass for the direction of the ship's head.

(g) To calculate the approximate time (to the nearest minute) of the meridian passage of a heavenly body; to calculate an approximate altitude for setting the sextant to obtain the meridian altitude of a heavenly body.

(3) (3) Principles of Navigation—

(a) The shape of the earth. Poles, equator, meridians. Parallels of latitude. Position by latitude and longitude. Direction, bearing, distance, units of measurement. Difference of latitude, difference of longitude, departure, mean and middle latitude, difference of meridional parts and the relationship between them.

Great circles, great circle course and distance, small circle on a sphere.

(b) The celestial sphere; definitions of the celestial sphere, apparent motion on the celestial sphere, Declination, Azimuth, sidereal hour angle. The position of a body on the celestial sphere; azimuth with altitude or declinations with sidereal or local angle. The rising culminating and setting of heavenly bodies, Circumpolar stars. Maximum azimuth.

(c) Solar system, earth-moon system. Planetary motion. Earth's rotation and movement in orbit, eclipses, mean sun, ecliptic, first point of Aries. Equinox and solstice Sunrise, Sunset, twilight.

- (i) Time; Greenwich and other standard times, zone time, mean time, apparent time, sidereal time, equation of time, relationship between longitude and time International Date Line.
- (e) Local hour angle of a heavenly body in time and in arc. Greenwich hour angle of Sun, Moon, Planets and Aries. Application of right angled and quadrantal spherical triangles.
- (f) Correction of sextant altitudes including back altitudes; dip, refraction, horizontal parallax in altitude, semi-diameter and augmentation. Use of artificial horizon.
- (g) Geographical position of a heavenly body. A circle of position and its practical application, i.e. position line. Intercept.
- (h) Simple properties of mercator and gnemetic charts. Latitude and longitude scales, measurement of distance. Rhumb lines. Meridional parts.

92. Paper 4. (written).

Meteorology (2 hours).

- (a) The principles of the barometer, mercurial and aneroid. Marine mercurial barometer, reduction of readings to standard datum.

Barograph.

- (b) The principles of the thermometer, maximum and minimum thermometers. Sea and air temperature observations and precautions to be taken.

The principle of the hygrometer, observations to obtain relative humidity, care and attention given to instruments.

- (c) The Beaufort wind scale and weather notation in use at sea.

Methods of estimating direction and force of wind at sea.

- (d) A knowledge of the mean pressure distribution. Daily and seasonal changes in atmospheric pressure. Prevailing winds. Local and regional effects of heating and cooling, land and sea breezes, monsoons. Anabatic and katabatic winds.

- (e) The characteristics of, and weather associated with, the principal pressure systems, e.g. anticyclones, depressions, permanent and semi-permanent high and low pressure areas. Relationship between pressure distribution and wind Buys ballots law.

- (f) Use of barometric observations at a single station in conjunction with weather signs.

- (g) Water vapour in the atmosphere, evaporation, condensation, precipitation; meaning of saturation, relative humidity, dewpoint; formation and classification of clouds, fog, mist and dew.

- (h) A knowledge of the types of weather messages adopted by the World Meteorological Organization which are available to shipping. Coding of ship's weather reports. Decoding of forecast and other weather information by use of International anabasis code and Maritime forecast code.

- (i) A knowledge of the general structure of weather reporting, e.g., selected ships, weather ships, ship stations.

General Physics (3 hours)

100. Paper 5. (written).

Simple calculations shall be based on fundamental relationships and the practical application of physical laws. Candidates will be expected to show an understanding and appreciation of the physical principles involved rather than produce formal, memorized description or statements of laws or rules.

(a) **Statics**—

- (1) Composition and resolution of forces. Use of vector to indicate magnitude and direction. Vector addition, use of vector triangle.

Principle of moments. Stress, strain, shear forces and bending moments of simply supported beams with and without load.

- (ii) Centre of gravity; stable, unstable and neutral equilibrium.
- (iii) Simple machines; lever, screwjack, pulley systems; mechanical advantage, velocity ratio and efficiency.
- (iv) Pressure in liquids; pressure at a depth, thrust.
- (v) Density; relative density. Principles of Archimedes and floatation; the marine hydrometer and its use.

(b) Dynamics—

- (i) Composition and resolution of velocities and accelerations. An understanding of Newton's laws of motion, motion under gravity. Work, power, kinetic and potential energy. Momentum, friction, and coefficient of friction.

(c) Heat—

- (i) Measurement of temperature; thermometers, thermocouples. Transference of heat, conduction, convection and radiation.
- (ii) Expansion of solids and liquids, coefficients of expansion; specific heat, latent heat.
- (iii) Properties of gases; Boyle's Law, Charles' Laws. A simple treatment of isothermal and adiabatic expansion and compression of gases; principles of refrigeration.

(d) Light—

- (i) Laws of reflection; plane mirror, rotating mirror.
- (ii) Laws of refraction; index of refraction, total internal reflection. Prisms, thin lenses; a graphical treatment of the formation of images by lenses.
- (iii) Application of above laws to instruments in use at sea.

(e) Sound—

- (i) Wave motion; frequency, velocity, wave length and their relationship. Production and propagation of sound.
- (ii) Effect of temperature and wind on the velocity of sound. Factors influencing the velocity of sound in gases and liquids.
- (iii) Reflection, echoes. Simple treatment of Doppler effect.

(f) Magnetism—

- (i) Theory of magnetism. Laws of magnetism. Meaning of terms; intensity of magnetisation, susceptibility, tenacity, permability.
- (ii) Pole strength, field strength. Magnetic moment and couple, deflection of a magnetised needle. The period of a suspended magnet vibrating in the earth's field. Magnetic induction of a material in a magnetic field. Hysteresis curves for ferro magnetic material. Gaussian error, retentive error.
- (iii) Terrestrial magnetism and magnetic elements. Variation.

(g) Electricity—

- (i) The nature of an electric current, EMF, current, resistance, their effects and relationships, electric potential. Units used in the measurement of electric potentials, currents and resistance. Simple calculations of electric current given potential and resistance. Insulators and insulation, electric and magnetic fields associated with electric potentials and currents. Capacitance.

(ii) Effects of an electric current:—

- (A) Heating effect; power and its relationship with current and resistance useful simple heating devices, unwanted heat in electric circuits and its effects, need for dissipation of heat. The watt as a measure of power, the decibel as a measure of the ratio of powers.

- (B) Magnetic effect; effect of the magnetic field on a magnetised needle.
- (C) Chemical effect (electrolysis); the effect of the passage of current through a conducting solution (electrolyte).
- (iii) Functions, characteristics and use of measuring instruments to measure potential difference, current and resistance. Precautions to be observed when using measuring instruments, multiples and sub-multiples of units: micro, milli, kilo and mega and their symbols p, m, K and M. The insulation tester and its use.
- (iv) Primary cells and secondary cells and batteries in common use, their characteristics, care and precautions.
- (v) Simple electric lighting circuits, alarm circuits, indicator lamps and signalling lamps. Fuses and other circuit breaker devices used in electric circuits, their functions and operational effects. The effects of open circuits, short circuits, short circuits and leakage on the action of simple electric circuits, effects of dirt and moisture or insulation.
- (vi) Safety precautions to be observed when handling electrical circuits.
- (vii) Static electricity, nature and its causes.
- (h) Applied Chemistry—
- (i) Corrosion, action between dissimilar metals.
 - (ii) Combustion; induced and spontaneous; flash and ignition temperatures; explosive mixtures; chemical change due to over-heating. Elementary knowledge of oxidising agents, corrosives, poisons and radio active agents.
 - (iii) Fire extinguishing; powder, foam, inert gases.

101. Paper 6. (written)

Mathematics (2 hours)**(1) Algebra****(a) Elements of Set Theory—**

Sets, subsets, empty sets, union and intersection of sets, complementation, Venn Diagrams.

(b) Number systems—

Natural numbers, integers, rational numbers, real numbers, complex numbers.

Surds: Rational operations with binomial quadratic surds; conjugate surds and rationalising factors.—

Theorem : If $a + \sqrt{b} = c + \sqrt{d}$ then $a=c$ and $b=d$ under prescribed conditions.

Properties of real numbers with reference to closure for elementary operations, commutativity, associativity, and distributivity without "cc".

(c) Theory of Quadratic Equations with real coefficients, Solution, conditions, nature of roots. Relations between roots and coefficients.

(d) Exponents and Logarithms:—

Definition of a^m for $a \neq 0$, and m rational.

Theorems : $a^m \times a^n = a^{m+n}$, $(ab)^m = a^m b^m$,

$(a^m)^n = a^{mn}$, m, n being rational number (Proof for positive integral exponents only).

Definition : if $a^x = N$ then $\log a = x$.

Theorems on logarithms of products, quotient, power and change of base and its applications.

(e) Permutations and combinations:—

Linear Permutations with distinct objects.

Combinations (case of repetitions excluded).

(f) Graphical work, simple graph of statistics, calculations of constants and determination of law from graph. Graphical solution of equation.

(g) Arithmetical, Geometrical and Harmonical progression and the use of binomial theorem for positive, negative, and fractional real indices. Its application for approximations (without proof).

(2) Calculus

(a) Notion of function as correspondence, graph of a function.

(b) General idea of a limit, illustrating its use in the definition of speed tangent, and the circumference of a circle as the limit of the perimeter of inscribed regular polygon. Statement of fundamental rules of operating with limits; Evaluation of simple limits, Definition of a derivative.

(c) Derivative of x^n where n is a positive integer; Differentiation of: sum, difference, product and quotient of functions of polynomials and rational functions; Derivative with respect of x of u^n where u is a function of x; and (without proof) of xx where x is a real number.

(d) Applications of the derivative: Equations of tangent and normal in the case of simple curves: Maxima and Minima, Simple problems on rates of change; Velocity, acceleration in rectilinear motion.

(e) Integration as a reverse process of differentiation. Standard forms, Method of substitution.

(3) Geometry

(a) Rectangular co-ordinate system. Point dividing a given segment (i) internally, and (ii) externally; equation and locus; change of origin; distance formula.

(b) Formulation of equations from geometrical data in simple cases; Circle: equation, condition that an equation of the second degree is a circle, Finding centre, and radius of a given circle; Parabola ellipse and hyperbola, their properties as applied to navigation.

(c) Straight line : Equations in forms $y=mx+c$, $y-y_1=m(x-x_1)$, $x/a+y/b=1$, $x \cos d + y \sin d = p$, length of perpendicular from a point to a line; Angle between two St. lines.

(4) Trigonometry

(a) Definitions of a radian; Relation between radian and degrees (assuming that the ratio of the circumference of a circle to its diameter is a constant); clockwise and anticlockwise rotations; positive and negative angles.

(b) Relationship between ratios. Haversine, Simple identities.

Definition of trigonometric (circular) functions of any angle; periodicity; allied angle formulae (proofs only for 0° and $(T/12)-0$) others to be deduced from these simple identities. Heights and distances. Graphs of sine, cosine, and tangent function.

(c) Compound angle formulae for two angles. Formula for $\cos(A+B)$ only to be proved; other to be deduced from this. Factorization formulae for $\sin A + \sin B$, and $\cos A + \cos B$.

(d) Sine-rule, cosine-rule, and projection rule for a triangle; their use in simple problems including solution of triangle; area of a triangle in term of (i) two sides and included angle, (ii) three sides, (iii) one side and the functions of the adjacent side.

(e) Properties of spherical triangle, polar triangles and application of their properties. Solution of spherical triangle by haversine formulae, sin formulae and Napier's rules for rt. angled or quadrilateral triangle.

102. Oral and practical

(1) (a) To read and understand a barometer, thermometer, hydrometer and hygrometer. The instruments supplied by the Meteorological Office will be taken as standard.

(b) To use an azimuth mirror, pelorus (bearing plate) or other instrument for taking bearings.

(c) To use a sextant for taking vertical and horizontal angles; to read a sextant both on and off the arc.

(d) To correct a sextant into which has been introduced one or more error of perpendicularity, side or index.

(e) To find the index error of a sextant.

(f) Candidates will also be questioned on the care, winding, rating, and comparing of chronometers.

(2) The rigging of ships, methods of ascertaining the proof and safe-working loads of ropes including synthetic fibre and wire ropes. Rigging purchases and a knowledge of the power gained by their use. Knots, hitches and bonds in common use. Seizings, rackings, rope and chain stoppers. Splicing plaited and multi-strand manila and synthetic fibre rope and wire rope with strict reference to current practice. Slinging a stage, rigging a bosun's chair and pilot ladder.

(3) (a) Preparations for getting under way. Duties prior to proceeding to sea, making harbour; entering a dock. Berthing alongside quays, jetties, or other ships and securing to buoys with special reference to the after end of a ship.

(b) Helm orders. Conning the ship. Effects of propellers on the steering of a ship. Stopping, going astern, manoeuvring. Turning a steamship short round. Emergency manoeuvres. Bringing a ship to single anchor in an emergency. Man overboard.

(c) The duties of the officer of the watch at sea and at anchor. Dragging anchor. Duties of the deck officers in port.

(4) (a) Anchors and cables: their use and stowage.

(b) Knowledge of the use of all deck appliances including emergency steering gear.

(c) Marking and use of ordinary load line.

(d) Use and upkeep of mechanical logs and sounding appliances.

(e) The use and care of rocket and line throwing apparatus.

(5) (a) The use and care of life-saving appliances including handling characteristic, construction and stowage of liferafts. Emergency signal, abandon ship signal. Bending, setting and taking in lifeboat sails, management of boats under cars, sails, power and in heavy weather, recovering boats at sea. Beaching or landing. Survival procedure in lifeboats and liferafts.

(b) The use and care of fire appliances including the smoke helmet, emergency fire pump and self contained breathing apparatus.

Action to be taken on discovering a fire—

(i) in port,

(ii) at sea.

(c) Use of the Merchant ship search and rescue manual (MERSAR).

(6) (a) A full knowledge of the content and application of the collision Regulations and the Annex to the rules. (Candidates will not be placed in a position of handling a sailing craft, but will be expected to recognise the lights carried by such craft and to have a knowledge of the possible manoeuvres according to the direction of the wind).

(b) Distress and pilot signals; penalties for misuse. International life saving signals.

(c) A knowledge of the contents of 'Merchant shipping notices' and 'Notices to mariners'. The use of 'Notices to mariners'.

(d) The uniform system of buoyage; wreck marking system.

(e) Precautions while using floating navigational aids, e.g. buoys, light vessels etc.

(7) The candidate will be asked questions on the practical use of electronic and other aids to navigation—e.g. gyro compass, auto pilot, course recorder, echo sounder and daceca navigator.

8. The examiner may ask the candidate questions arising out of the written work, if it is deemed necessary on account of weakness shown by the candidate.

103. Signals:—

1. To send and receive signals:—

- (a) Semaphore up to eight words per minute.
- (b) Morse-code by flesh lamp up to six words per minute.
- (c) International code of signals.

2. (A) A knowledge of distress and safety communications procedures on radio-telephony as contained in the 'International code of signals', and the avoidance of unnecessary transmissions.

(B) Practical—To prepare portable radio equipment for operation in lifeboat or liferaft, erect aerial and operate the radiotelephone facility.

(C) Practical use of shipborne Radio direction finder.

7. In the said rules below the heading "First Mate (Foreign-Going)" for rules 104 to 111 the following rules, shall be substituted, namely:—

104. Paper 1. (written).

Navigation and Chartwork (3 hours)

(1) Practice and principles of navigation:—

In addition to the syllabus for practical navigation and principles of navigation for second mate Questions will be set on the following:—

- (a) To obtain the ship's position by the combination of any two observations with or without run.
- (b) Position fixing; fixed and variable errors, area of probability.
- (c) The use and applications of radio aids to navigation; and
Operation, interpretation and appreciation of data.
- (d) Application of systematic error corrections and variable error allowances.
- (e) The use of radar data as an aid to collision avoidance including radar plotting.

(2) Chartwork:—

In addition to the syllabus for second mate a candidate will be required to answer questions on:—

- (a) Construction and use of a line of sounding.

The use of a single position line in approaching the coast.

- (b) Reliability of charts.

(c) Selection of suitable points for bearing or for fixing the ship's position by means of horizontal angles.

- (d) Approaching an anchorage and navigating in narrow waters.

(e) Making landfall or proceeding along a coast in thick and clear weather.

- (f) To answer any questions on above, which the examiner deems necessary.

105. Paper 2. (written).

Radio and electronics (2 hours)

This syllabus covering radio and electronics, is confined to these topics of which a knowledge is essential in making progress towards an understanding of the principles and operation of these types of radio aids to navigation, radio telephone and other electronic equipment which is commonly used on merchant ships.

(a) (i) Elementary oscillatory circuits, maintenance of oscillations in a parallel LC circuit, relationship between frequency and values of L and C.

(ii) Thermionic valves and semi-conductor devices; diodes, triodes, and transistors, their functions and characteristics, effects of potentials between electrodes. Descriptions of the actions of valves and semi-conductors in simple basic circuits; rectifiers, amplifiers and oscillators.

(iii) Piezo-electric effect and the use of crystals to control the frequency of oscillators

(b) (i) Effects of current flow in an open conductor, electro-magnetic fields and the simple aerial, radiation of em waves. Velocity, frequency and wavelength and their relationship. The simple oscillator coupled to an aerial, basic transmitter, radiated frequency, tuning. Descriptive explanations of transmission, propagation in free space and in troposphere. Ground waves and sky waves. The ionosphere and its effects on radio waves. Effects of em waves impinging on objects, induced currents and re-radiation.

(ii) Descriptive treatment of the transmission of information by modulated carrier wave, carrier frequency and frequencies of side bands, meaning of single side band(ssb).

(iii) Description of ship's radio telephone transmitting systems with the aid of block schematic diagrams showing the units which make up a typical system, for example, master oscillator, amplifier, modulator, microphone, power amplifier and aerial; the functions of each stage.

(c) (i) The principles of super-heterodyne reception, its advantages and disadvantages, block schematic diagram of superheterodyne receiver with the functions of stages.

Description of full straight receiver with the aid of block schematic diagram.

The radio-telephone alarm signal generator; its characteristics and functions.

(ii) Directional reception, descriptive explanation of single rotating loop aerial, its receiving characteristics and associated polar diagram. Use of zero signal for directional indication, ambiguity in directional indications, sense, sense aerial, the effects of addition of signals from loop and vertical aerials. The heart shaped polar diagram as an indication or resolution of directional ambiguity. Fixed crossed loops aerial and goniometer for directional indication.

(iii) Elementary description of Yagi aerials, the relationship between size of elements and frequency, directional characteristics. The functions and characteristics of aerials used at centimetre wavelengths.

Directional transmission and reception at metre and centimetre wavelengths; propagation at these wavelengths, horizon range and anomalies of propagation.

(iv) Descriptive explanation of the functions, action and characteristics of cathode ray tubes used in marine radio aids to navigation and television displays. The functions and characteristics of the following types of circuits used with cathode ray tube display: time base circuits, brightening and blackout circuits, calibration circuits and other functional circuits. The characteristics of functional circuits used in radio aids to navigation equipment.

(d) Descriptive explanation of methods of graphically displaying information; pen recorders, the advantages and disadvantages of wet and dry recording paper, preservation of records, scales of display.

Direct reading scales and phasing of scales.

Descriptive explanation of visual indicators for displaying information; types used in ship borne installations, their advantages and disadvantages.

Transducers; magneto-striction for transmission and reception of sound through water, their types, functions and characteristics.

Temperature sensing transducers and their use in simple circuits.

108. Paper 3. (written)

Ship construction and stability (3 hours)

(a) A general knowledge of the principal structural members of a ship. The proper names of the various parts. Midship sections of single deck and tween deck ships and bulk carriers, including container ships but excluding specialized products carriers. Functions, construction and stiffening of watertight bulkheads, including collision bulkhead. Stern frame, stern tube and adjacent structure. Rudders; methods of construction and support. Hawse-pipes and how secured. Construction, stiffening and closing arrangements of hatchways and superstructures. Bilge and ballast line systems.

(b) Rivet work, testing a line of rivets. General ideas on welding processes in construction and repair work, types of weld, common faults, visual examination of welded work. Testing of tanks and other water-tight work.

(c) Stresses and strains in ships in a seaway or due to loading or ballasting. A knowledge of the parts of a ship specially strengthened to withstand such stresses or where excessive corrosion is liable to occur. Methods adopted during construction to prevent corrosion. Methods of compensating for discontinuity of strength, local and special stiffening.

(d) An outline knowledge of:—

Classification of ships.

Periodic surveys for retention of class.

Tonnage certificates and their purpose.

Load Line: period and conditions of validity of Certificate, requirements of annual survey.

(e) The use of Simpson's first, second and the five-eighth rules in the computation of areas, volumes and centroids.

(f) Determination of the position of the centre of gravity of a ship for different conditions of loading and ballasting. The effect on the position of the centre of gravity of adding, removing, shifting of suspending weights. To determine the virtual rise in the position of the centre of gravity due to slack tanks. Transverse and longitudinal metacentres, metacentric height. Initial stability and its limitation to small angles of inclination. Changes in stability during a voyage. Effect of a shift of cargo or solid ballast. Stiff and tender ships.

(g) Changes of trim and draught due to loading, discharging and shifting weights.

(h) Permeability of a compartment. The effect of bilging and flooding midship compartments symmetrical about the centre line.

(i) Use of the stability, hydrostatic and stress data supplied to ships. Curves of stability, factors affecting the shape of the curve. Carriage of deck cargo and its influence on stability and structural stresses.

107. Paper 4. (written)

Electricity (2 hours)

This subject will be examined to determine whether a candidate has sufficient knowledge to appreciate the behaviour of simple electrical circuit of types which are used in merchant ships. It will also cover knowledge of electricity to a standard required for an appreciation of the topics covered in Paper 5, Radio and Electronics. Simple calculations shall be based on fundamental relationship and practical application of physical laws.

(a) The topics in Electricity Paper 5(g) in the syllabus for second mate (foreign going) to a higher standard than required in that examination.

(b) The magnetic effects of an electric current, effects on ferro-magnetic materials, field due to a coil carrying current and the introduction therein of a ferro-magnetic core. Simple electro-magnetic devices, their functions and actions, the electric bell, buzzer; electro-magnetic relay, moving iron meter for measuring current.

(c) Effects of current carrying wires in the vicinity of a compass, twin wires carrying opposing currents. Effects of growth and decay of current on magnetic field and effects of field on nearby conductors.

Electro-magnetic induction, self induction, mutual induction, the induction coil.

(d) The electric generator principle, generation of an alternating voltage, the simple commutators, the simple D. C. generator. Effect of a load on the output voltage of a D. C. generator.

Simple electric circuits and their action, bell buzzer, alarm circuits.

Simple circuits using relays.

The telephone, carbon microphone, electro-magnetic telephone., Simple telephone circuits

(e) Alternating voltages and currents, their frequency and phase relationship, peak, average and R. M. S. values. The effects on an alternating current of resistance, capacitance and inductance. The simple A. C. circuits; descriptive treatment of series. A. C. circuit, parallel A. C. circuit and oscillations in a parallel circuit.

(f) Rectification and metal rectifiers. The transformer and its application in power packs.

108. Paper 5. (written)

Safety, carriage of goods and ship maintenance (3 hours)

(a) Knowledge of the regulations relating to the carriage and handling of cargo, including the Merchant shipping Grain rules, deck cargo regulations, carriage of dangerous goods in ships and the relevant parts of the factories act, A general knowledge of the relevant Merchant shipping notices and IMCO publications including the Code of Safe Practice for bulk Cargoes.

(b) General principles of cargo stowage and handling and a more detailed knowledge of the item mentioned in (d) of the General Ship Knowledge paper for second mate. Prevention of damage by cargo to ensure the safety of the ship. The carriage of special cargoes such as refrigerated cargo, liquids in bulk, deck cargoes and heavy lifts. The use of shifting boards and bins. Modern methods of carriage of cargo such as on pallets, and in containers, etc. Roll-on roll off vessels, unit handling of cargoes. Ballasting of a vessel's precautions to be taken with solid ballast. Spontaneous combustion.

(c) Carriage of bulk oil and multi-grade oil cargoes. Piping arrangements in bulk oil carriers. Tank cleaning and gass freeing. Ullage and temperature calculations. Requirements under the oil in navigable waters act. Precautions to be taken to avoid contamination of cargo. A general knowledge of the tanker safety code.

(d) Inspection and maintenance of ship and equipment; items to be covered include hull, bulkheads, double bottom, deep and peak tanks, bilges, struts, pipelines, rudder, anchors and cables, davits, safety equipment, derricks and all items of cargo working gear. Drydocking routine. General emergency repairs, repair lists.

(e) Properties and uses of paints, resins, and other protective coverings, Methods of corrosion control in steelwork and between dissimilar metals. Treatment of woodwork and composite decks. Maintenance of cement work.

(f) Documentation of vessel and cargo to include: Mate's log book, mates' receipts, boat notes, dangerous goods lists, waybills and cargo plans.

109. Paper 6. (written)

Meteorology, ocean currents and routing (2 hours)

In addition to the syllabus for second mate (foreign-going) questions will be set on the following:-

(a) Air masses; general ideas on source, regions, classification and properties. Structure of depressions, general distribution of weather in a depression. Fronts; the frontal theory of the formation of depressions, occlusions, occluded depressions, secondary depressions, families of depressions.

(b) Adiabatic changes in the atmosphere. Dry, saturated and environmental lapse rates. Stability instability and conditional instability. The development of thunderstorms.

- (c) A full knowledge of the development and decay of tropical revolving storms their localities, names, seasons, tracks and associated weather, foretelling the probable movement. Navigation in the vicinity of and the rules for avoiding tropical storms. Reports to be made under international conventions.
- (d) A knowledge of the information available under Section IV (Atlantic weather bulletin) of the 'Ship's Code and Decode Book.' Use of a synoptic chart to deduce the weather at specified points and to forecast the probable changes over sea areas. Facsimile weather charts and their uses.
- (e) Principal ocean currents; their names and characteristics. Causes of ocean currents, general surface circulation of the oceans, direct and indirect effect of prevailing winds, gradient currents, seasonal changes in the general circulation.
- (f) The main types of floating ice and their origins. General limit of ice in both hemispheres, seasonal development and recessions, movement of icebergs. Navigation in the vicinity of ice. Reports to be made under international conventions. Knowledge of ice patrol and observation service.
- (g) Selection of ocean routes. General principles of weather routing, use of prognostic surface weather and wave charts.

110. Oral and practical.

(1) (a) The handling of heavy weights with special reference to type and strength of gear used.

(b) The use and care of all deck and above deck appliances and fittings including winches, capstans, windlasses, davits, fairleads, emergency steering gear and fittings used between anchor and cable locker.

(2) Anchors. different types of anchors and their advantages and disadvantages. Cables and their care.

Preparation for anchoring.

Operation of anchoring with a single anchor and use of a second anchor.

Clearing a foul anchor and hawse.

Anchoring in a tideway and in a confined space.

Mooring.

Hanging off an anchor.

Breaking and slipping cables.

Getting under way.

To carry out an anchor with boats.

(3) (a) Effect of current, wind, shallows and draught on manoeuvring. Manoeuvring in rivers and harbours.

Berthing alongside and leaving quays and oil terminals with or without the use of tugs.

(b) Management of ships in heavy weather.

Means to employ to keep a ship, disabled, or unmanageable, out of the trough of the sea and to lessen the lee drift.

Handling a disabled ship.

Extra precautions to be taken before the onset of heavy weather.

(4) (a) An outline knowledge of the regulations concerning life saving and fire fighting appliances.

(b) An outline knowledge of articles of agreement.

(c) Measures to be taken following accidental damage including collision, grounding, heavy weather damage accident to hatches and leaks. Usual causes of fire on board ships. Elementary precautions to prevent fire. The nature of fire. Fire fighting with shipboard installation. International hose connection.

The organisation and direction of fire fighting and liferaft preparation parties.

(d) A practical knowledge of the screening of ship's navigation lights.

(e) Preparation for drydocking and undocking. Use of shores, bilge blocks and bilge shores.

(f) Measures to be taken to prevent the spillage of oil during cargo work, bunkering or oil transfer. The keeping of records under the Oil in Navigable Waters Act.

(5) Collision Regulations as per section 6a of the oral syllabus for second mate.

(6) The examiner may ask the candidate questions arising out of the written work, if it is deemed necessary on account of weakness shown by the candidate.

(1) To send and receive signals in:—

(a) Semaphore up to eight words per minute.

(b) Morse code by flash lamp up to six words per minute.

(c) International code of signals.

(2) The practical use of shipborne radio telegraph installation (Auto key device) knowledge of the functions, characteristics and methods of using special types of radio beacons which are listed in Admiralty List of Radio Signals Vol. II for example rotating beacons and talking beacons".

In the said rules, below the heading "Master (foreign-going)" for rules 112 to 191, the following rules, shall be substituted, namely:—

112. Paper 1. (written).

Ship construction and stability (3 hours).

(a) An outline of shipyard practice and procedure including drawing office methods, plate and section making, process central and prefabrication. The use of special steels, aluminium and fire resistant materials in ship construction.

(b) (i) Types of ships. General ideas on strength and construction in relation to particular trades including specialised carriers.

(ii) Different methods of welding. Welding of Non-ferrous metal. Electrodes, their type and use. Inspection and testing of welds.

(c) Functions of ship classification societies. Freeboard and a general knowledge of the conditions of assignment. An outline of the cargo ship construction and survey rules and surveys required under the rules.

(d) Hull sub-division; methods adopted to maintain integrity of divisions and openings in the hull including side, stern and bow doors. Arrangements for restrictions the spread of fire in superstructures. Sound knowledge of damage control in case of damage resulting from collision stranding weather etc.

(e) Form coefficient, wetted surface formula Simpson's rule applied to area, second moment of areas, volumes, moments of volumes, centroids and centre of pressure.

(f) Shear forces and bending moments. Stresses produced by shear and bending.

To produce simple curves of load, shear force and bending moments.

Modern methods of determining the effect of different conditions of loading and ballasting on the ship's structure.

(g) A more comprehensive knowledge of stability than is required for first mate (foreign-going) and in addition: Stability to moderate and large angles of heel. Use of the wall-sided formula. The effect of the GZ curve as dynamical stability. Angle of loll. Shifting or adding weights with zero GM.

(b) Stability and trim when drydocking or grounding. Ship stability at sea. Dangers to a ship with a heavy list. Precautions when righting. Dock cargoes, homogeneous cargo and cargo liable to shift. Ballasting for stability consideration. The effect of beam and free-board on stability. Effect of bilging and flooding of compartments symmetrical about centre line anywhere along the ship's length.

(i) The inclining experiment. The production of curves of stability. A comprehensive knowledge of the hydrostatic, stability and stress data supplies to ships.

113. Paper 2. (written).

Commercial knowledge and Ship's business (2 hours)

(The legal knowledge required will not go beyond the outline of Acts, and rules applicable to shipping and the mercantile law which a shipmaster must know in order to conduct the business of a ship).

(a) Registration of ships. The certificate of registry and its legal significance.

(b) Certificates and other documents required to be carried on a ship, how they are obtained, and the period of their legal validity. Suez and Panama canal certificates.

(c) Engagement, discharge and management of crew. Manning scales and certification. Contracts of employment, wages and other remuneration, advances, allotments, money orders, payments into bank accounts.

Desertions, deceased seamen, engagement of substitutes, repatriation.

(d) The official log book and the law relating to entries, Offences relating to misconduct, to endangering ship and against persons on board. Discipline and treatment of disciplinary offences. Civil liability for certain offences. Trade disputes involving seamen.

(e) Crew accommodation. Hygiene of the ship and welfare of the crew. An outline knowledge of the regulations relating to medical stores. Inspections and reports. Fresh water and provisions. Procedure in cases of infectious disease, illness or accident. Fumigation and pest control. Maritime declarations of health. Port health requirements.

(f) Custom house procedure, entering and clearing ship.

(g) Load line marks, calculations involving their use. Entries and reports in respect of freeboard, draught and allowances.

(h) The safety of the ship, crew and passengers. Assistance of vessels in distress and salvage. Duties in the case of collision and accident.

(i) The law relating to the reporting of ice, derelict, tropical revolving storms and other dangers to navigation.

(j) Compulsory and non-compulsory pilotage.

(k) A general knowledge of shipping practice and documents with particular reference to charter parties, bills of lading and mates receipts. An understanding of the main clauses in a contract of affreightment including freight, deviation, always afloat, ice, lay days, demurrage and despatch. The law relating to the carriage of cargo and the ship-owner's liabilities and responsibilities. Protests, cargo surveys, certificates of seaworthiness.

(l) An outline knowledge of the expressed and implied conditions and statutory terms contained in a contract of marine insurance. An understanding of the terms: particular average, general average. Procedure at a port of refuge. Lloyd's agents.

(m) To have an outline knowledge of acts and regulations as they affect the management of a ship including:—

(i) M. S. (Life Saving Appliances) Rules.

(ii) M. S. (Fire Appliances) Rules.

(iii) M. S. (Muster) Rules.

(iv) M. S. (Direction Finders) Rules.

(v) M. S. (Closing of openings in hulls and watertight bulkheads) Rules.

(vi) M. S. (Carriage of dangerous goods) Rules.

(vii) M. S. (Depth of loading) Rules.

(viii) M. S. (Distress messages and Navigational warnings) Rules.

- (ix) Unberthed passenger-ships Rules.
- (x) M. S. (Pilot ladders) Rules.

114. Paper 3. (Written)

Radio and electronic aids to navigation (3 hours)

This syllabus includes all the radio and electronic aids to navigation which are installed on a high proportion of merchant ships or are available for use on those ships. The topics are covered to a standard which ensures a master having an understanding and appreciation of the efficient and effective use and applications of these aids whilst appreciating their capabilities and limitations. The topics covered include those facets of selection of equipment, its use and installation to a standard which will assist a master to advise on the use and choice of equipment, on selecting a site for its installation and on all those factors which can affect the operational efficiency and accuracy.

Where the syllabus mentions "equipment" it is not intended to indicate that a detailed knowledge of commercial equipments is needed. The standard of knowledge required is that which will enable a master to rapidly familiarize himself with any commercial radio aids to navigation equipment installed on a ship.

(a) Position fixing systems.

(i) An understanding and graphical description of the general principles of position fixing by measurement of difference of distance from two or more fixed points; use of radio waves to obtain difference of distance by measurement of time difference and phase difference.

Generation of the hyperbolic curve by differences of distances from two fixed points; family of hyperbolic curves, the hyperbolic lattice on a navigational chart.

Family of hyperbolic curves when fixed points are a short distance apart, relationship of the hyperbolic curves to true bearings of point midway between fixed points.

(ii) Decca navigator, Loran, Consol and other position fixing systems which are available for use on a substantial proportion of merchant ships; the characteristics, applications, radii of coverage areas, limitations and accuracy of each system. The comparative accuracy of position fixing systems of all types including non-radio systems and methods. The errors which apply to each radio position fixing system and their magnitudes, the sources and causes of such errors. Error corrections and allowances for variable and uncorrectable errors.

Description of the equipment used with each system, its adjustment and use as an aid to position fixing. Recognition of the signs of maladjustment and erroneous information. The application of data obtained from each aid to fixing a position, fixing accuracy, ellipse of ambiguity.

Knowledge of the contents of the Merchant shipping notice relating to the use of the Decca navigator system.

(b) Radar.

(i) An explanatory description of the principles of radar. Outline of a radar system using a block schematic diagram to illustrate the essential functional units required in radar equipment and a description of the functions and characteristics of those units. An appreciation of those characteristics of a radar set which determine the quality and accuracy of navigational information. The standards of accuracy and discrimination required for a type-tested marine radar set. Measurement at sea, of the relative standards of performance of the radar set. Description of the effects of those operational controls which affect performance. Recognition of sub-standard performance and the effects of maladjusted controls. Description of the effects of sub-standard performance, an appreciation of the need for precaution. Knowledge and appreciation of the factors mentioned in Merchant Shipping notices relating to the installation of radar.

(ii) Use of radar; an appreciation of the capabilities and limitations of radar and of the factors and their effects which can limit the detection of objects and display of echoes.

Fixing a position from radar information, the effects of the characteristics of coastal features on detection and accuracy of fix. The principles of true and relative motion display, stabilized and unstabilized, with their relative advantages and disadvantages. Examples of methods of plotting available and their use. The objects and advantages of a plot of radar echoes as an aid to collision avoidance. An ability to obtain from a series of radar observations the information which a plot will provide.

(c) Direction Finding.

Description, with the aid of a block schematic diagram, of the elements of direction finding systems; (i) rotating loop system, (ii) fixed-loops system. The relative advantages and disadvantages of the two systems, and of manual and automatic systems.

An explanation of the relative advantages and disadvantages of compass stabilization of direction finder scales.

Knowledge of the instrumental factors which affect the accuracy of a direction finding equipment.

An appreciation of those factors and their effects which need to be considered when choosing a site for D. F. loops and sense aerials. A description of the effects of the ship, its superstructure, and aerials, including broadcast receiving aerials, on the accuracy of bearings. Errors due to the foregoing and how compensated, quadrantal errors, semi-circular errors. Calibration; knowledge of the statutory requirements in the Merchant shipping (Direction finder) rules and of Merchant shipping notices relating to direction finders.

Classification of bearings.

An appreciation of the capabilities and limitations of direction finding as an aid to navigation. A description of the use of radio beacon facilities to obtain a fix; (i) using bearings of independent beacons, (ii) using bearings of beacons whose operations are synchronized. An appreciation of propagational errors; night effects, land effects.

(d) Echo Sounding Devices.

A description with the aid of block schematic diagrams, of the elements of a typical general purpose navigational echo-sounding system indicating the functions and characteristics of each unit.

Descriptions of the action of typical visual indicators and recorders. Precautions necessary when using an echo sounder with phased scales.

The use of the operational controls of a typical echo sounder, including adjustments available for variations of draft.

A knowledge of any health hazards presented by paper used in recorders and the precautions to be observed.

A knowledge of typical values of sounding repetition rate, accuracy of soundings, maximum and minimum depths in general purpose navigational echo sounders.

A knowledge of the sources and effects of noises which interfere with the display of soundings. (i) internal noises; mechanical and electrical, (ii) water noises; aeration and reverberation.

Indications of maladjustments of controls which give excessive receiver sensitivity; receiver noise and multiple soundings.

A knowledge of the factors to be considered in choosing a site for echo sounder transducers. The relative advantages and disadvantages of pierced hull and internal transducer installations.

Care of echo-sounding apparatus, preservation of records.

(e) Microwave communication system, preliminary ideas on its uses and its development as an electronic aid to navigation.

115. Paper 4. (written)

This syllabus includes topics which require a practical understanding of the automatic control of main engines and associated data logging, interpretation of drawings and schematic diagrams. The knowledge required will not go beyond that considered necessary for the engineering content of the syllabus.

(a) Engineering knowledge to include section c(iii) of the General Physics paper for second mate and in addition:

(i) The meaning of the engineering terms:

Saturated Steam.

Superheated Steam.

Power-when associated with engines.

Propeller-pitch.

Slip.

(ii) A general knowledge of the following:—

Types of marine boilers including auxiliary and waste heat boilers.

The action of turbine machinery.

Cycles of operation of compression-ignition engines.

Methods of scavenging and turbo-charging.

Procedure when warming up, turning, starting and stopping, reversing main engines.

Starting of emergency generators and fire pumps.

(iii) The use of bilge, ballast, cargo, circulating and feed pumps. The operation of regenerative condensors, boiling and fresh evaporators.

(iv) Fuel consumption and economical speeds, estimation of minimum fuel consumption to complete a passage. Simple problems involving pitch and slip.

(b) The general principles underlying the operation of remote control systems.

Types of controls and the methods used in connection with pneumatic, electric and hydraulic control systems for main engine, pumps and valves, data logging, associated alarm and fail safe systems. Bridge control of main engine and bow thrust units.

(c) (i) The general principles underlying the operation of the following:—

Heat sensing by bi-metal strips.

Thermocouples and resistance change with temperature and the application in fire and equipment alarms and remote reading instruments.

(ii) Smoke detection systems and Co² smothering.

Automatic sprinkler systems and their mode of operation. Ventilation shut-off controls.

(iii) Electric log and speed recording.

Helm and rudder indicators.

Electric telegraphs and data logging.

Master and repeater clocks associated with data logging systems.

Navigation light sentinel.

(iv) Auto helmsman, associated with gyro control, automatic course recorders, gyro stabilization of navigational aids, anti-rolling device control and alarm systems.

(v) Knowledge of the principles of inertial navigation system.

(vi) Pneumercator tank and draught gauges. Whessoe and allied type tank gauges.

(vii) Basic consideration in data processing, input storage/processing/output. Various input/output media such as punched card, magnetic tape, paper tape etc.

Various input/output devices such as card reader, paper tape reader, magnetic tape drive.

Punched cards: Column, rows.

How characters represented.

Fields.

Card design.

Punching and verifying machine.

Layout of computer installation, memory, concept of stored programme, programme flow chart, source language, Assembler/compiler Machine languages.

General ideas on use of computer in scientific, commercial and other allied fields.

116. Paper 5. (written)

Magnetism, magnetic and gyro compasses (3 hours)

A more detailed knowledge of the principles of magnetism than is required under the general physics paper for second mate.

(a) The construction of the magnetic compass and binnacle, the effect of constraining a compass needle to the horizontal plane. The method of determination and compensation by means of components of the effect of a ship's magnetic field on the magnetic compass. The approximate co-efficients A, B, C, D and E. Conditions which might produce co-efficients A and E. Analysis of a table of deviations to obtain approximate co-efficients. Methods of obtaining a table of deviations. Constants Lambda and Mu. The ship's multiplier. To determine the deviation caused by a ship's permanent magnetism and/or induced magnetism in vertical soft iron by means of observations taken in two widely separated magnetic latitudes.

(b) General principles of compass correction and the method of correction for co-efficients B, C and D. Heeling error, its cause, effects and the method of correction. Effect of heeling error magnets on soft iron correctors. A simple treatment of the effects of degaussing.

(c) Siting of compasses with reference to the proximity of magnetic material and electrical appliances. Care and maintenance of liquid compasses.

(d) The properties of the free gyroscope. The relationship between applied force and precession. The effect of the Earth's rotation on a free gyroscope. Drift and tilt, damping. Errors associated with gyrocompasses including latitude, course and speed error, ballistic deflection and its relation to change of speed error. Latitude, course and speed correction, rolling error and how it is minimised. The principal parts of a gyro compass, follow up and repeater systems. Fundamental differences in the construction and operation of the better known gyro compasses.

(e) An appreciation of the systems under the control of the master gyro e.g. repeaters including those for D. F. and radar stabilization automatic steering.

117 (1) Candidates for certificate of competency as Master (Foreign-Going) who have not passed the examination for certificate of competency as First Mate (Foreign-Going) under these rules shall also be required to appear for the paper in Meteorology as referred to in rule 109.

(2) Candidates securing 50 per cent of the marks allotted in that paper shall be considered as successful in the examination if otherwise successful in the written Part of the examination prescribed for Master (Foreign-Going).

(3) Candidates failing to secure the requisite 50 per cent marks in the Meteorology paper if otherwise successful in the written Part of the examination prescribed for Master (Foreign-Going) shall be required to appear and pass in that paper only, at the subsequent attempt. For the purposes of any such attempts the requirements of paragraph 3 of rule 66 shall not apply provided the candidate has passed the oral and signals Part of the examination.

118. Oral and practicals.

(1) (a) Exceptional circumstances.

Loss of rudder and/or propeller.

Jury steering arrangements.

Action to be taken following collision or sustaining damage of any kind.

Precautions when beaching a ship.

(b) Steps to be taken when disabled and in distress.

Preservation of passengers and crew in the event of an emergency.

Limiting damage and salvaging the ship following a fire or explosion.

Abandoning ship; survival procedure.

Abandoning a wrecked ship.

Communications with the shore.

The use of rockets and rocket apparatus.

(c) Assisting a ship or aircraft in distress. The use of direction finding for homing on to a casualty.

Rescuing the crew of a disabled ship or ditched aircraft.

Manoeuvring for launching of life boats or life rafts in bad weather.

Man overboard procedures.

(d) Bad weather manœuvres.

Precautions at anchor and at sea.

Use of oil.

Choice of anchorage.

Anchoring and working anchors and cables in all circumstances.

Factors involved in determining the length of anchor cable to be used.

Knowledge of engine characteristics stopping distance and turning circle for manœuvring.

Approaching pilot vessels with due regard to weather and tide.

Handling a vessel in rivers, estuaries harbours etc. having regard to the effects of currents, wind and restricted water on the response to the helm.

The effect of squat and of manœuvring in shallow waters.

Interaction between passing vessels and between own vessel and nearly banks e.g. canal effect.

Importance of navigating with prudence with regard to damage caused by own ship's waves.

Approaching off-shore loading points under open sea conditions.

(e) Towing and being towed.

(f) Drydocking.

General procedure and precautions to be observed.

Distribution of weight.

Drydocking with full cargo for inspection of propellers and shafting.

Bilge blocks.

Leaving a ship waterborne.

Putting into port with damage to ship and/or cargo, both from business and technical points of view.

Safeguarding of cargo.

(g) Prevention of fire at sea and in port.

Methods used to prevent the spread of fire.

Action to be taken to prevent the spread of fire.

Full knowledge of the use of fire appliances and the precautions to be taken in their use.

Appreciation of the ways in which action can best be taken when emergencies arise in port, e.g. a fire on own or nearby vessel, or on adjacent port facility, need to seek sea-room in the event of adverse weather.

(h) Methods of pest control and of fumigation of holds and living spaces— safeguards in applying various methods.

(i) General organisation of ships management.

Crew welfare and training.

Crew representation.

Complaints procedure.

Routine inspections of living quarters and store rooms.

(j) Compensation and adjustment of compasses; candidates will be questioned on the practical adjustment of the magnetic compass using a ship's binnacle and compass.

(2) Collision Regulations as section 6(a) of the oral syllabus for second mate. The use of and navigation in traffic separation schemes.

(3) (a) Radiotelephony. A knowledge of distress and safety communications procedures on the radiotelephone distress and calling frequency as indicated in the International Code of Signals and in the post office handbook for radio operators (U.K.).

(b) Portable radio equipment. The preparation and use of portable radio equipment as used in lifeboats and liferafts including erection of aerials and knowledge of the facilities and frequencies provided with the equipment.

(c) Port radio information services. Knowledge of the types of service available to aid vessels entering ports and assist in berthing etc. as indicated in admiralty list of radio signals "port radio stations and pilot vessels".

(4) The examiner may ask the candidate questions arising out of the written work, if it is deemed necessary on account of weakness shown by the candidate.

119. Signals:—

(1) To send and receive signals in:—

(a) Semaphore up to eight words per minute.

(b) Morse code by flash lamp up to six words per minute.

(c) International code of signals.

9. In the said rules below the heading "Mato (Home Trade)", for rules 120 to 125 the following rules shall be substituted namely:—

"120. Paper 1. (written)

Practical Navigation (3 hours)

A candidate will be required—

(a) to solve problems on plane, parallel and mercator sailing,

(b) to find the latitude by meridian altitude of the sun or star,

(c) to find the latitude by an observation of Polaris,

(d) to find the position line and the latitude at which it crosses a given meridian, when provided with the data obtained from an observation of the sun or star near the meridian,

- (c) to determine the position line and a position through which it passes given data obtained from an observation of the sun or star out of the meridian;
- (f) to obtain the ship's position by the combination of morning sun sight and the Meridian Altitude of the sun with run, and
- (g) to find the true bearing of the sun or star and thence the deviation of the compass for the direction of the ship's head."

121. Paper 2. (written).

General Ship Knowledge (2 hours)

A candidate will be required.

- (a) to know the elements of ship construction,
- (b) to have a knowledge of pumping arrangements on ships,
- (c) show his practical acquaintance with, and knowledge of, longitudinal and transverse framing, shell plating, decks, watertight bulkheads, stern frames, rudders, water ballast tanks, bulkhead sluices, sounding pipes and air pipes, the structure of a vessel generally and the causes prevention of corrosion in a ship's hull,
- (d) know the meaning of the terms "displacement" and "deadweight",
- (e) to understand the laws of floating bodies,
- (f) to know how to use the displacement scale and the tonnes per centimetre scale to determine weights of cargo or other items from draughts,
- (g) know the effect of density of water on draught and the application of the fresh water allowance,
- (h) a general understanding of Centre of Gravity and Centre of buoyancy and the effects of adding, removing and shifting weights,
- (i) to have a knowledge of the rigging of a ship for loading or discharging cargo and the use of derricks and winches, the stowage and Dunnaging of cargoes of all types, elementary on carriage of Dangerous Goods, and an outline knowledge of relevant parts of Indian Dock Labour Regulations, and
- (j) to be familiar with the care, maintenance and use of lifeboats, lifeboat equipment, buoyant apparatus, inflatable rafts, lifebuoys, lifejackets, line-throwing appliances, lights and sound signals.

122. Paper 3. (written)

Chartwork and Pilotage (2 hours)

A candidate will be required.

- (a) to convert true courses into magnetic and compass courses or vice versa, given the variation and a table of deviation,
- (b) to find the compass course between two positions,
- (c) to understand the effect of current on speed,
- (d) to understand the effect of leeway,
- (e) to find the course made good, given the compass course steered, the speed of the ship, the direction and rate of the current and leeway, if any,
- (f) to find the course to steer allowing for a current and leeway, if any,
- (g) to fix the ship's position on a chart by means of: Simultaneous cross bearings, bearing and range, radio cross bearings applying the necessary corrections, bearings of one or more objects given the run between bearings, current and leeway, if any,

- (h) to find the distance at which the ship will pass a given point;
- (i) to answer questions on: Clearing and leading marks, horizontal and vertical danger angles, distance of sighting lights and distance of a point of land of known height;
- (j) to find the time and height of high and low water at a Standard Port using Indian tide tables;
- (k) to find the height of tide at any given time by means of interpolation tables or diagrams and thence find the approximate correction to be applied to soundings or to charted heights of shore objects,
- (l) to demonstrate the ability to make intelligent use of Sailing Directions.
- (m) to understand the use of Notices to Mariners and to be familiar with the process of chart correction; and
- (n) to answer oral questions pertaining to information given on a chart or plan with particular reference to: Buoys, lights, D.F. Radio Beacon and similar aids to navigation, depths and nature of the bottom, contour lines, tides and tidal streams, and recognition of the coast

123. Paper 4. (written)

Meteorology (1½ hours)

A candidate will be required

- (a) to understand the principle, construction and use of: The simple mercurial barometer and the aneroid barometer, the marine mercurial barometer and barograph, the thermometer, hygrometer and hydrometer;
- (b) to have a knowledge of: The reduction of barometric readings to standard datum by means of tables or by use of the Gold slide. The distribution of mean pressure, the prevailing wind, and the current circulation in the Arabian sea and Bay of Bengal. Tropical revolving storms in the Arabian Sea and Bay of Bengal, their localities, seasons and tracks. The rules for avoiding tropical storms;
- (c) to have a knowledge of: The Beaufort wind scale and weather notation in use at sea including a knowledge of the methods of estimating the direction and force of the wind at sea. A knowledge of weather code including coding and decoding of weather reports transmitted by merchant ships. Storm warning signals displayed at Indian Ports.

124. Oral and Practical

- (a) to have a thorough knowledge of: The rigging of ships and the strength of chains, wire ropes and fibre ropes. Purchases of all kinds and the power gained by purchases. Knotting and splicing with strict reference to current practices. Selzings, rackings and stoppers. Practical ropework and canvas work. The management of boats under oars, sail or power in all weathers and circumstances. Emergency manoeuvres such as man overboard. Use and upkeep of mechanical logs and sounding machines. The use and upkeep of engine room and other telegraphs. The use and upkeep of line-throwing appliances. The general knowledge and use of life saving appliances. The use of fire appliances including emergency fire pump. A general knowledge of fire fighting on ships
- (b) to have a practical knowledge of safe working methods and good seamanship regarding: Loading and discharging cargo. Mooring and unmooring ship. Gangways, stages and topside work, and entering and working in tanks or other confined spaces;
- (c) to have a practical knowledge of: The use and care of all deck and above deck appliances and fittings including winches, capstans, windlasses, emergency steering gear, and fittings used between anchor and cable locker. Hoisting and lowering boats. The different types of anchors including the advantages and disadvantages of each type and Anchor cables and their care,
- (d) to have a practical knowledge of the handling and management of a ship including: Preparations for anchoring. Anchoring with a single anchor and the use of the second anchor. Mooring and anchoring in a tideway and in a confined space. Getting under way;

(e) to have a knowledge of general principles of loading, stowage, carriage and discharging of all types of cargoes including dangerous cargoes;

(f) to have a knowledge of the management of a ship with special reference to the duties of a first mate regarding: Preparation for getting under way, of proceeding to sea making harbour or entering a dock. Coming alongside or securing to a buoy or buoys. Keeping an anchor watch and actions to be taken when dragging anchor, and the duties of an officer of the watch when under way and the use of the compass to ascertain risk of collision. The duties of an officer of watch when in port and also when working cargo;

(g) to have a full knowledge of: The contents and application of the Regulations for preventing collisions at sea. The possible manoeuvres of a sailing vessel according to the direction of the wind. Distress and pilot signals including the penalties for misuse. The uniform system of buoyage and wreck marking system. The contents and use of Notices to Mariners and M.O.T. Notices. The International Life Saving Signals;

(h) to be completely familiar with instruments which are used at sea including the aneroid barometer, barograph and the mercurial barometer, thermometers of all types, the hygrometer and the hydrometer, azimuth mirror;

(i) to be able to correctly adjust a sextant into which has been introduced one or more of perpendicularity side or index errors and to use a sextant for taking vertical and horizontal angles.

125. Signals.

(1) To send and receive signals:—

(a) Semaphore up to eight words per minute.

(b) Morse-code flash lamp up to six words per minute.

(c) International Code of Signals.

(2) (a) A knowledge of distress and safety communications procedures on radio-telephony as contained in the 'International code of signals' and the avoidance of unnecessary transmissions.

(b) Practical. To prepare portable radio equipment for operation in lifeboat or liferaft, erect aerial and operate the radio-telephone facility.

(c) Practical use of shipborne Radio Direction Finder.

10. In the said rules, below the heading "Master (Home Trade)" for rules 126 to 132 the following shall be substituted, namely:—

126. Paper 1 (written)

Practical Navigation (3 hours)

A candidate will be required:

(a) to answer questions based upon the syllabus for Mate (Home Trade) extended to include the planets;

(b) to obtain the position of the ship at any time by use of traverse tables when given; an initial position or data for finding same. Compass courses and errors, the ship's run as recorded by log or by means of estimated speed and time and Data for finding the allowance to be made for the effects of winds and/or current, if any;

(c) to obtain the ship's position by a combination of any two observations with or without an intervening run;

(d) to find the approximate time of the meridian passage of the sun, a star or a planet,

(e) to be able to plot information received from radar and to make an intelligent use of the same;

(f) the recognition of stars of the first magnitude by reference to principal constellations.

127. Paper 2. (written)

Ship Construction and Stability (2 hours)

A candidate will be required:

(a) to have a knowledge of: The principal structural members of a ship. The proper names of the various parts. The construction of the midship sections of single deck, tween deck and shelter deck ships. The functions, constructions and stiffening of watertight bulkheads including the collision bulkhead. The construction of rudders and methods of attachment. The construction, stiffening and closing arrangement of hatchways. Rivets and riveting including testing rivets. Elementary ideas of welding. The stresses and strains in ships in a seaway or due to loading and ballasting. The parts of a ship which are specially strengthened in order to withstand local and general stresses, or to offset the effects of excessive corrosion;

(b) to have a knowledge of writing a report of damage sustained during a voyage. Directing simple repairs, and Certificates of seaworthiness;

(c) to have a knowledge of: The righting couple when a ship is inclined by an external force. The transverse and longitudinal metacentres metacentric height. The computation of areas and volumes by Simpson's first and second rules. The determination of the centre of gravity of a ship in a new condition, the centre of gravity in the previous condition being given. The behaviour of stiff and tenderships. The effect of a shift of cargo or solid ballast. The danger of free surface of liquids. The calculation of change of trim, moment to change trim per cms. and the position of the centre of floatation being given. The use of stability curves and data supplied to a ship. Effect of bilging of a compartment on the ship. (No calculations).

128. Paper 3. (written)

Chartwork and Pilotage (2 hours)

A candidate will be required:

(a) to answer questions based upon the syllabus for Mate (Home Trade);

(b) the construction and use of a line of soundings, the use of a single position line in approaching a coast and in other circumstances. The use of radio beacons and shore direction finding stations;

(c) to find the times and heights of high and low water at a secondary port by means of tidal difference (Admiralty Tide Tables Vol. II);

(d) to answer questions on: The reliability of charts. The selection of suitable points for bearings, or for fixing the ship's position by means of horizontal and vertical sextant angles. Approaching an anchorage and navigating in narrow water. Making landfalls or proceeding along a coast in thick and clear weather. The use of lattice charts;

(e) to answer any oral questions which the examiner deems necessary.

129. Paper 4. (written)

Elementary Magnetism and Compass (1½ hours)

(a) to have a knowledge of: The simple magnet and its poles. The law of attraction and repulsion. The characteristics of magnetic field surrounding a magnet;

(b) to have a knowledge of the magnetic compass including: The effects on the magnetic compass of the ship's magnetic field. The methods of obtaining a table of deviations. The general principles of compass correction. The siting of compasses with particular reference to the proximity of magnetic material and electrical appliances. Care and Maintenance of magnetic compasses.

(c) in gyro compass a candidate will be required to have a simple non-mathematical knowledge of: The principle of the free gyroscope, starting and stopping of gyro compasses and maintenance routine.

130. Paper 5. (written)

Meteorology (1½ hours)

A candidate will be required:

(a) to have a fuller knowledge of meteorology than that required for Mate (Home Trade);

(b) to have a knowledge of: Formation of clouds & principal cloud types. Land and sea breezes. Local winds experienced in home trade water e.g. Elephanta;

(c) to have a knowledge of: The types of weather messages which are available to shipping in home trade waters. Coding and decoding of weather messages transmitted by ships.

131. Oral and Practical.

A candidate will be required:

(a) to answer question out of syllabus for mates home trade;

(b) to have a knowledge of: Affects of propellers on steering of a ship. Manoeuvring in rivers and harbours. The means to employ to keep a vessel, which is disabled or unmanageable, out of the trough of the sea and how to lessen her lee drift. The handling of a disabled ship;

(c) to have a practical knowledge of the management of a ship in case of accidents including: Collision and grounding. Accidents to hatches and running repairs;

(d) to have a knowledge of the practical aspects of handling and managing a ship in exceptional circumstances including Damage control in case of collision, grounding or other accident. The procedure when grounded and methods of refloating. The procedure when beaching a vessel. The procedure in case of wreck with special emphasis on the preservation of crew and passengers, the methods of abandoning a wrecked ship, the use of rockets and rocket apparatus and communications with the shore. Rendering assistance to a vessel in distress. Rescuing the crew of a disabled vessel, and air-sea rescue procedure on the Indian coast. Towing and being towed. Manoeuvring in bad weather. The use of oil in bad weather and in rescue operations. The precautions to be taken at anchor and at sea;

(e) to have a knowledge of the prevention and extinction of fire aboard ship including a full knowledge of: The dangers of spontaneous combustion. The use of fire appliances and the precautions to be taken when using them. The methods of extinguishing different types of fires;

(f) to have an outline knowledge of Merchant Shipping Act with special reference to sections dealing with: Engagement and discharge of seamen, ship's articles of agreement. The property of deceased seamen. Provisions, health and accommodation. Official logs and the return of lists of crew. The return of births and deaths, the delivery of documents on change of master and the employment of children and young persons. Compulsory and non-compulsory pilotage and the payment of pilotage dues. Safety certificates, the overloading of ships and safety precautions. Load Lines including sub-division load lines. The safety of ships, passengers and crew. Reporting of storms and other dangers to navigation. Reporting of accidents. Assistance of vessels in distress. Duties in case of collision. Wrecks salvage and investigations into shipping casualties;

(g) to have an outline knowledge of Acts and Regulations as they affect the management of a ship including: M.S. (L.S.A.) Rules. M.S. (Fire Appliances) Rules. M.S. (Muster) Rules. M.S. (Carriage of Dangerous Goods) Rules. M.S. (Direction Finders) Rules. M.S. (Closing of opening in hulls and watertight bulkheads) Rules. M.S. (Depth of Loading) Rules. M.S. (Distress messages and Navigational Warning) Rules. Unberthed Passengerships Rules. M.S. (Pilot Ladders) Rules;

(h) to have a knowledge of: The certificates and other documents required to be carried on a ship including the procedure for obtaining them and the period of their legal validity;

(i) to have a general knowledge of the law and shipping practice with regard to the carriage of goods by sea;

(j) the practical use of Radar and Decca.

132. Signals.

1. To send and receive signals in:—

- (a) British semaphore up to eight words per minute.
- (b) Morse code by flash lamp up to six words per minute.
- (c) International Code of Signals.

2. The practical use of shipborne radio telegraph installation (Auto Key device) knowledge of the functions, characteristics and methods of using radio beacons.

[No. 67-MA(4)/71.]

A. R. BANERJEE, Under Secy.

✓

40/72(B)